राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 अकं :191 रांची (झारखंड) सोमवार,21 अप्रैल 2025 पेज - 08 मूल्य: 2 RNI NO- JHAHIN/2013/54373

हमारी सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ काम कर रही, न पानी की लीकेज होगी, न भ्रष्टाचार की:सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1,111 जीपीएस युक्त पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली में जल आपूर्ति को पारदर्शी और सुगम बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य टैंकर माफिया को खत्म कर हर घर तक नल के माध्यम से पानी पहुंचाना है। यह आयोजन दिल्ली के विकास और जल संकट के समाधान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारा मकसद केवल हंगामा खड़ा करना नहीं, बल्कि दिल्ली की सूरत बदलना है। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली के सांसद, विधायक, पार्षद और अधिकारी एकजुट होकर विकास के लिए काम कर रहे हैं।'

उन्होंने पिछले 27 सालों के 'दुख के वनवास' को समाप्त करने का संकल्प दोहराया। गुप्ता ने बताया कि सरकार के गठन के 60 दिनों में ही टैंकर माफिया को खत्म करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए प्रत्येक टैंकर में जीपीएस सिस्टम और कमांड सेंटर की व्यवस्था की गई है, ताकि पानी की आपूर्ति की निगरानी हो सके। उन्होंने कहा, 'हर टैंकर की निगरानी जनता स्वयं करेगी। हमारी सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ काम कर रही है। न पानी की लीकेज होगी, न भ्रष्टाचार की।' मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि टैंकर अस्थायी समाधान हैं। सरकार का मुख्य लक्ष्य योजनाबद्ध तरीके से टाउन प्लानिंग के तहत हर घर तक नल से जल पहुंचाना है।

● 'नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली के सांसद, विधायक, पार्षद और अधिकारी एकजुट होकर विकास के लिए काम कर रहे हैं।'

इसके लिए जल विभाग के लिए 9,000 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें 150 करोड़ रुपये स्मार्ट मीटर और स्काडा सिस्टम के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, दिल्ली की सूख चुकी जल संरचनाओं को पुनर्जनन, पाइपलाइन बिछाने, नालों की री-मॉडलिंग और डी-सिल्टिंग जैसे कार्यों के लिए भी फंड आवंटित किए गए हैं। गुप्ता ने कहा, फंड की कमी से कोई भी काम रुकेगा नहीं।

हम डिजिटल दिल्ली के सपने को हर विभाग में लागू करेंगे।' कार्यक्रम में मौजूद सांसदों, मंत्रियों और अधिकारियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए दिल्ली के विकास के लिए मिलकर काम करने का वादा किया।मुख्यमंत्री ने पुरानी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले सांसद और स्थानीय प्रतिनिधियों के बीच तालमेल की कमी थी, जिसके कारण श्रेय लेने की होड़ रहती थी। लेकिन अब सभी एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल दिल्लीवासियों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है। जीपीएस युक्त टैंकरों और पारदर्शी व्यवस्था के साथ सरकार जल संकट को खत्म करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है।

निशिकांत दुबे ने पूर्व चुनाव आयुक्त पर लगाए आरोप, कहा- झारखंड में घुसपैठियों को आपके कार्यकाल में वोटर बनाया गया

एजेंसी

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. एस. वाई. कुरैशी पर मुस्लिम आयुक्त होने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया है। दुबे ने अपने पोस्ट में कुरैशी के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें कुरैशी ने वक्फ कानून को सरकार की ऐसी योजना बताया था, जो मुस्लिम जमीनों को हड़पने के लिए बनाई गई है।

दुबे ने कुरैशी पर झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में उनके कार्यकाल के दौरान बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाने का आरोप लगाया। असल में 17 अप्रैल को पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी ने एक 'एक्स' पोस्ट में लिखा था, 'यह वक्फ कानून निश्चित रूप से मुस्लिमों की जमीन हड़पने की सरकार की एक बहुत बुरी साजिश है। मुझे पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट इसे गलत बताएगा। शरारती प्रचार तंत्र ने भी गलत जानकारी फैलाकर अपना काम अच्छे से कर दिया है। इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए 20 अप्रैल को निशिकांत दुबे ने लिखा, आप चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे। झारखंड के संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोटर सबसे ज्यादा आपके कार्यकाल में ही बनाया गया। इस्लाम धर्म भारत में 712 में आया, उसके पहले तो यह जमीन हिंदुओं की या उस आस्था से जुड़ी आदिवासी, जैन या बौद्ध धर्मावलंबियों की थी। उन्होंने देश को जोड़ने की अपील करते हुए पोस्ट में आगे लिखा, ÷मेरे गांव विक्रमशिला को बख्तियार खिलजी ने 1189 में जलाया। अतिश दीपांकर के तौर पर विक्रमशिला विश्वविद्यालय ने दुनिया को पहला कुलपति दिया। इस देश को जोड़ो, इतिहास पढ़ो। तोड़ने से पाकिस्तान बना, अब बंटवारा नहीं होगा? दुबे के ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर समर्थन और विरोध दोनों देखने को मिले। कुछ यूजर्स ने उनके बयान का समर्थन करते हुए कहा कि देश को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो सच बोलने की हिम्मत रखते हों। इससे पहले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट की चल रही सुनवाई के संदर्भ में न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाए थे। उन्होंने न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ही कानून बनाएगा, तो संसद को बंद कर देना चाहिए। दुबे के इस बयान पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने इस बयान से किनारा करते हुए इसे नेता की व्यक्तिगत राय करार दिया और ऐसी टिप्पणियों से बचने का निर्देश जारी किया।

इस बार विदेश की धरती पर भारत का अपमान नहीं, सम्मान हो, राहुल गांधी इसका ध्यान रखें : भाजपा

पटना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक बार फिर अमेरिका दौरे पर हैं। इस यात्रा को लेकर बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एनआरआई सेल के संयोजक मनीष सिन्हा ने प्रतिक्रिया देते हुए बड़ी नसीहत दे दी है। उन्होंने राहुल गांधी से अपील की है कि वह विदेशी धरती पर भारत की छवि को धूमिल न करें। मनीष सिन्हा ने कहा, मैं समस्त प्रवासी भारतीयों और देशवासियों की ओर से राहुल गांधी से आग्रह करता हूँ कि वह अपनी राजनीतिक विफलताओं की निराशा को विदेशी मंचों पर भारत विरोधी टिप्पणियों में न बदलें। पूर्व में भी राहुल गांधी ने विदेशी दौरे के दौरान भारत की संस्कृति, समाज और लोकतंत्र को लेकर कई द्वेषपूर्ण टिप्पणियां की थीं, जिससे करोड़ों भारतीयों की भावनाएं आहत हुई थीं। सिन्हा ने आगे कहा कि भारत की राजनीति का स्तर देश के भीतर तय होना चाहिए, न कि विदेशी मंचों पर। उन्होंने कहा कि, इस बार विदेश की धरती पर भारत का अपमान नहीं, सम्मान हो। मातृभूमि राजनीति का माध्यम नहीं, गर्व का प्रतीक है- कृपया इसका मान रखें। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी अहम मौके पर ही विदेश जाते रहे हैं। सही अर्थ में कांग्रेस को फिलहाल पार्ट टाइम पॉलिटिक्स, फुल टाइम पर्यटन वाले नेता की जरूरत नहीं है। कांग्रेस को आज फुल टाइम पॉलिटिक्स करने वाले नेता की जरूरत है। राहुल गांधी अमेरिकी थिंक टैंकों, प्रवासी भारतीय समुदाय और छात्र समूहों के साथ संवाद करेंगे। उनके इस दौरे में भारत की राजनीतिक स्थिति, लोकतंत्र की दशा और मानवाधिकारों जैसे मुद्दे उठाए जाने की संभावना है।

मेरठ के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमंग मित्तल को रोबोटिक सर्जरी में मिली फेलोशिप

नई दिल्ली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाने-माने कैंसर विशेषज्ञों में शुमार सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमंग मित्तल ने रविवार को रोबोटिक सर्जरी में फेलोशिप प्राप्त की। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी कन्वेंशन हॉल में रविवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में डॉ. उमंग मित्तल को यह फेलोशिप डिप्लोमा प्रदान किया गया। वे 6वें कैंसर समिट एंड अवॉर्ड्स 2025 में केयर लीडरशिप अवॉर्ड-सर्जिकल ऑन्कोलॉजी से भी सम्मानित हो चुके हैं। डॉ. उमंग वर्ष 1999 से मेरठ और एनसीआर में प्रैक्टिस कर रहे सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट हैं। उन्होंने कैंसर के 20000 से अधिक मामलों का ऑपरेशन किया है और इस क्षेत्र में कैंसर के इलाज की नवीनतम तकनीकें लेकर आए हैं, जिसमें स्तन कैंसर में स्तन संरक्षण सर्जरी, मौखिक कैंसर के बाद जबड़े और जीभ का फ्री फ्लैप पुनर्निर्माण शामिल हैं।

रामबन में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात

राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध; तीन की मौत, 100 से अधिक को बचाया गया

एजेंसी

उधमपुर। उधमपुर से भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर बताया कि बीती रात रामबन क्षेत्र में भारी ओलों की बारिश, तेज हवाएं चलीं और कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ था। इस प्राकृतिक आपदा से राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया है और दुर्भाग्यवश तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कुछ परिवारों को संपत्ति का नुकसान हुआ है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वे रामबन के उपायुक्त बसीर-उल-हक चौधरी से संपर्क में हैं और जिला प्रशासन की तत्परता और सराहनीय कार्रवाई की प्रशंसा की, जिसने कई जानें बचाईं। साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रभावित परिवारों को सभी प्रकार की सहायता दी जा रही है, चाहे वह आर्थिक हो या अन्य कोई मदद। यदि जरूरत पड़ी तो सांसद निधि से व्यक्तिगत रूप से भी सहायता प्रदान की जाएगी। जितेंद्र सिंह ने लोगों को डरने के बजाय धैर्य रखने और संयम बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर इस आपदा से पार पाएंगे। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार भारी बारिश से धर्म कुंड गांव सबसे अधिक प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 100 से अधिक ग्रामीणों को सुरक्षित बचा लिया गया है। नाशरी से बनिहाल तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-44) पर लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन और कीचड़ धंसने (मडस्लाइड) की घटनाएं हुईं, जिससे यातायात दोनों ओर बंद हो गया है। धर्म कुंड गांव में बाढ़ ने लगभग 40 घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। बादल और बारिश के बावजूद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया और फंसे लोगों को बाहर निकाला। यातायात विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि बारिश अभी भी जारी है, इसलिए यात्रियों से अपील की गई है कि वे रास्ता साफ होने और मौसम सुधरने तक इस मार्ग पर यात्रा न करें। स्थिति पर प्रशासनिक टीमें लगातार निगरानी कर रहे हैं और राहत कार्य जारी है।

मोदी आज सिविल सेवकों को करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री समग्र विकास और नवाचारों की कहानियों की एक ई-पुस्तकें भी जारी करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को 17वें सिविल सेवा दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक दिवसीय सिविल सेवा दिवस सम्मेलन में राष्ट्र के सिविल सेवकों को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी जिलों और केन्द्र व राज्य सरकारों को चिन्हित प्राथमिकता कार्यक्रमों और नवाचारों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री समग्र विकास और नवाचारों की कहानियों की एक ई-पुस्तकें जारी करेंगे। कैबिनेट सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में 'सिविल सेवा सुधार- चुनौतियां और अवसर' पर एक पूर्ण सत्र होगा।

कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण के अलावा पुरस्कार विजेता की पहलों पर बनी एक फिल्म भी दिखाई जाएगी।

इसके अलावा विभिन्न कार्यक्रमों के चार अलग-अलग सत्र होंगे। शहरी परिवहन को मजबूत करने संबंधी एक सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री व बिजली मंत्री मनोहर लाल करेंगे। आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से स्वस्थ भारत को बढ़ावा देने पर सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा करेंगे, जबकि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से महिलाओं और बच्चों के लिए पोषण को बढ़ावा देने संबंधी सत्र की अध्यक्षता केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम पर सत्र की अध्यक्षता नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम करेंगे।कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण के अलावा पुरस्कार विजेता की पहलों पर बनी एक फिल्म भी दिखाई जाएगी। इस समारोह में केन्द्र के सचिव, अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव, उप सचिव, सहायक सचिव तथा राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी जिनमें मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव तथा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुख, रेजिडेंट कमिश्नर, केंद्रीय सेवाओं के अधिकारी तथा जिला कलेक्टर शामिल होंगे।

'मोइरंग दिवस' पर नेताजी सुभाष बोस को श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर आईएनए ट्रस्ट की ओर से रविवार को 'मोइरंग दिवस' को श्रद्धापूर्वक एवं गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया।। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री टोकन साहू थे। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रवीन्द्र इंद्राज सिंह और शोभित विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. कुंवर शेखर विजेंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा, आईएनए ट्रस्ट के अध्यक्ष ब्रिगेडियर आर.एस. छिकारा, न्यासी दिनेश सिंह, डॉ. निधि कुमार और रणनीतिक सलाहकार मंदीप मुखर्जी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना एवं राज्य सभा सदस्य सोनल मान सिंह सांस्कृतिक संरक्षक के रूप में कार्यक्रम से प्रतीकात्मक रूप से जुड़ी रहीं। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन और 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति के साथ हुई।

पुणे जिले के कद्दावर नेता संग्राम थोपटे ने छोड़ी कांग्रेस

एजेंसी

मुंबई। पुणे जिले में कांग्रेस पार्टी को करारा झटका लगा है। जिले के कद्दावर नेता संग्राम अनंतराव थोपटे ने कांग्रेस पार्टी को छोड़ दिया है। रविवार को थोपटे ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता सहित सभी पदों से अपना इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को भेज दिया है। अटकलें लग रही है कि थोपटे बहुत जल्द भाजपा में शामिल हो सकते हैं। पुणे जिले के पूर्व विधायक संग्राम थोपटे कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हैं। संग्राम थोपटे के पिताजी अनंतराव थोपटे भोर विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक बन चुके हैं और वे राज्य में मंत्री भी थे। इसके बाद भोर विधानसभा क्षेत्र से संग्राम थोपटे तीन बार विधायक बने, लेकिन हालही में हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था।

महाविकास आघाड़ी के कार्यकाल में संग्राम थोपटे को विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने की जोरदार चर्चा थी, लेकिन अचानक पार्टी ने नाना पटोले को विधानसभा अध्यक्ष बना दिया था, तब से ही थोपटे कांग्रेस से नाराज थे।

सपा दलितों की हितैषी नहीं हो सकती: मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि सपा के लोगों ने हमेशा बसपा के साथ विश्वासघात किया है।

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा आदि की तरह ही सपा भी अपनी नीयत व नीति में खोट-द्वेष है, इस कारण सपा कभी भी दलितों-बहुजनों की सच्ची हितैषी नहीं हो सकती है। वोटों के स्वार्थ की खातिर लगातार छलावा करती रहेगी, जबकि बसपा 'बहुजन समाज' को शासक वर्ग बनाने के लिए हमेश संघर्ष करती रहेगी। मायावती ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, 'कांग्रेस-भाजपा की तरह सपा में भी गरीबी, जातिवादी शोषण व अन्याय-अत्याचार आदि को समाप्त करने की इच्छाशक्ति नहीं है। दलितों को संवैधानिक अधिकार देकर उनका वास्तविक कल्याण व उत्थान करना तो दूर की बात है। इसके कारण वे मुख्यधारा से कोसों

दूर हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि सपा के लोगों ने हमेशा बसपा के साथ विश्वासघात किया है। 2 जून को सपा नेतृत्व पर जानलेवा हमला, संसद में पदोन्नति में आरक्षण का बिल फाड़ना, संतों, गुरुओं व महापुरुषों के सम्मान में बनाए गए नए जिलों, पार्कों, शैक्षणिक व मेडिकल कॉलेजों के नाम बदलना आदि ऐसे घोर जातिवादी कृत्य हैं, जिन्हें माफ करना असंभव है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी अपने सतत प्रयासों से जाति व्यवस्था को खत्म करने व समाज में भाईचारा कायम करने के अपने मिशन में काफी हद तक सफल रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए इसे हर तरह से बिगाड़ने में लगी हुई है, इससे लोगों को सावधान रहना चाहिए।

महाराष्ट्र में 40 लाख के इनामी चार नक्सली गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के पल्ली जंगल में पुलिस ने सी-60 कमांडो की हत्या में शामिल और 40 लाख रुपये के इनामी चार कट्टर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलवादियों की पहचान सेलू मुडेला उर्फ रघु (55), उसकी पत्नी जैनी खरातम उर्फ अखिला (41) और जंसी तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े उर्फ सरिता (21) के रुप में की गई है। इनमें मुडेला पर 20 लाख रुपये , खरातम पर 16 लाख रुपये , तलंदी और गावड़े पर दो-दो लाख रुपये का इनाम था। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने रविवार को जानकारी दी कि चारों नक्सलवादी ताड?ांव पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत पल्ली के एक जंगल में संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। इसकी भनक लगते ही ताड?ांव पुलिस स्टेशन की टीम ने इन चारों को गिरफ्तार कर लिया। अब तक छानबीन में पता चला है कि चारों इस साल 11 फरवरी को दिरांगी-फुलनार वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के दौरान सी-60 कमांडो की हत्या में सीधे तौर पर शामिल थे। पुलिस के अनुसार सैलू मुडेला उर्फ रघु प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) दक्षिण गढ़चिरौली डिवीजन का हिस्सा था। जैनी खराटम उर्फ अखिला भामरागढ़ एरिया कमेटी में थी, जबकि ज़ांसी

तलंदी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े भामरागढ़ एलओएस का हिस्सा थे। पुलिस के मुताबिक सैलू मुडेला 77 मामलों में शामिल था, जिसमें 34 मुठभेड़, आगजनी की सात घटनाएं, 23 हत्याएं शामिल हैं, जबकि खरातम का नाम 29 मामलों में है, जिसमें 18 मुठभेड़, आगजनी की तीन घटनाएं और चार हत्याएं शामिल हैं। ज़ांसी तलंदी कुल 14 अपराधों में शामिल रहा है।

हॉस्पिटल ले जाने की करें व्यवस्था, भर्ती कराकर कराएं समुचित इलाज : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन के इलाज में आर्थिक दृष्टि से लाचार होने की बात कही तो मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने तत्काल अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला के परिजन को हॉस्पिटल ले जाने, भर्ती कराकर समुचित इलाज कराने की व्यवस्था की जाए। और, आगे किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या होने पर दिक्कत न हो इसके लिए आयुष्मान कार्ड भी बनवाया जाए। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 300 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। किसी को भी घबराने या परेशान होने की की जरूरत नहीं है। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

विधायक द्वारा लाभुकों के बीच पशुधन योजना से चार जोड़ी बैल बांटे गए

मंडरो: मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत मंडरो प्रखंड के सिमरा गांव में बोरियो विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन , मंडरो प्रखंड विकाश पदाधिकारी मेघनाथ उरांव, भरणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संतोष कुमार ने चार लाभुकों को चार जोड़ी बैल दिए । बोरियो विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार की कई ऐसे जनकल्याणकारी योजनाएं हैं। जिनका लाभ लोग ले रहे हैं। आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ता कदम। मौके पर डॉ मुरलीधर दिनकर पशु चिकित्सा पदाधिकारी मंडरो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुबोध सोरेन जब्बार अंसारी,लाभुकों में रमेश किस्कू, हरिदास मुर्मू, प्रधान किस्कू, मसान हेंब्रम समेत अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त हेमंत सती ने मेधा डेयरी का किया भ्रमण

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती ने मेधा डेयरी का भ्रमण कर वहां की कार्यप्रणाली का जायजा लिया।भ्रमण के दौरान उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा भी उपस्थित थे।इस दौरान उन्होंने दूध की पैकिंग प्रक्रिया, उत्पाद निर्माण, पनीर अनुभाग, दूध शीत कक्ष तथा प्रयोगशाला कक्ष समेत विभिन्न इकाइयों का अवलोकन कियानिरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने डेयरी में स्वच्छता, गुणवत्ता नियंत्रण और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्रक्रियाओं में मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पाद उपलब्ध हो सके।उपायुक्त ने यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर डेयरी उद्योग के विकास से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने प्रयोगशाला में दूध की जांच प्रक्रिया की जानकारी ली और उसकी दक्षता की सराहना की। इस मौके पर डेयरी प्रबंधन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे, जिन्होंने उपायुक्त को संचालन संबंधी जानकारी दी। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने डेयरी के समग्र कार्य पर संतोष जताया और सुधार हेतु सुझाव भी दिए।

पाकुड़ मंडलकारा में जेल अदालत सह मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर रविवार को अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह प्रभारी सचिव विशाल मांझी के उपस्थित में पाकुड़ मंडलकारा में जेल अदालत सह मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारी द्वारा बंदियों के हित में कई कानूनी जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया। साथ ही झालसा के निर्देश पर मंडलकारा पाकुड़ में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया जिसमें बंदियों के स्वास्थ्य की जांच की गई। बंदियों के बीपी, शुगर समेत अन्य स्वास्थ्य संबंधित जांच चिकित्सक द्वारा की गई। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी, जेल के प्रशासनिक अधिकारी समेत चिकित्सक उपस्थित रहे।

बच्चों में नर्सरी क्लास से सिखाया जा रहा स्वच्छता के गुर- डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ स्वच्छता की दिशा में जिला प्रशासन ने नई पहल की शुरूआत की गई है जिसके अंतर्गत पाकुड़ जिले के सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 15 वें वित्त मद से हैंडवाश यूनिट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। अभी तक जिले में कुल 273 हैंडवाश यूनिट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। हैंडवॉश यूनिट इस तरह का निर्माण किया जा रहा है कि एक साथ 04 बच्चे इसका उपयोग कर सकें।

सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में फर्जी लाभुक का एंट्री करने पर नपेंगे ऑपरेटर, भीएलई- डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ गोपनीय कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीएससी मैनेजर एवं सभी भीएलई के साथ बैठक किया। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पंचायत भवन में संचालित सीएसी सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी भीएलई को जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते समय सही दस्तावेज अपलोड करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में कोई डुप्लिकेट आवेदन नहीं होने चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखें। अगर किसी ने प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना में गलत एंट्री की है तो उसका डिटेल्स शेयर करें। उपायुक्त ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले भीएलई को सम्मानित किया जाएगा..

मैया योजना, वृद्धावस्था,विकलांग,विधवा पेंशन को लेकर चौपारण प्रखंड कार्यालय में हाहाकार ,जनता परेशान - भाजपा नेता मुकुंद साव।

व्यवस्था से दुखी भाजपा नेता ने किया अपना आक्रोश व्यक्त,जब सांसद विधायक अपनी ही पार्टी का है तो किसको सुनाएं अपनी व्यथा

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

हजारीबाग जिला का सबसे बड़ा प्रखंड चौपारण है,26 पंचायतों वाला प्रखंड मुख्यालय में दिन भर महिलाओ ,लाभुकों की भारी भीड़ रहती है,किन्ही को मैया योजना की जानकारी लेनी है,किन्ही को अपना पेंशन की जानकारी लेनी है, भूल चूक सुधार करना है,किन्ही का पेंशन रुका हुआ है।महिलाए बहुत ही उम्मीद से ब्लॉक मुख्यालय आती है,वो ये सोचकर आती है कि मेरा समस्या का समाधान हो जाएगा,परंतु जब वह कार्यालय पहुंचती है तो उन्हें निराश होकर घर लौटना पड़ता है,कार्यालय में ये कहा जाता है कि आज काम नहीं होगा क्योंकि सिस्टम मेंटेनस के लिए हजारीबाग गया है,आज सरवर डाउन है,आज नेट नही चल रहा है,आज जो चेक करते है वो बाबू नहीं है,हजारीबाग गए है,तो कभी दूसरा काम कर रहे हैं।विभिन्न तरह की दिक्कतें बता दी जाती है, जिसे सुनकर वो थक हारकर वापस घर लौटती है,खर्च भी होता है,,समय भी बर्बाद होता है,घर वालों से डांट भी सुनना पड़ता,काम भी नही होता है,उक्त बातें आज प्रेस विज्ञप्ति जारी कर निवर्तमान सांसद प्रतिनिधि सह मानवाधिकार सहयोग संघ के हजारीबाग जिला अध्यक्ष मुकुंद साव ने कहा है। उन्होंने कहा है कि गलती से अगर सब कुछ कार्यालय में अपडेट मिला तो बताया जाता है कि ऊपर से प्रोब्लम है,पूछे

जाने पर बताया जाता है कि हम जिला भेज दे रहे है जब होकर आ जाएगा तो फिर आपका काम यहां हो जाएगा, लेकिन जिला से कभी भी काम होकर आता ही नहीं है।नतीजा कि जनता मायूस होकर घर में बैठ जाती है,लेकिन इसको देखने वाला कोई जनप्रतिनिधि या पदाधिकारी नहीं है। प्रखंड में प्रशासन नाम की कोई चीज ही प्रतीत नही होती है।,प्रखंड मुख्यालय तो दलालों का अड्डा बना हुआ है,कोई काम पब्लिक का नहीं हो पाता है।मुकुंद साव ने हजारीबाग के उपायुक्त महोदय सहित जन प्रतिनिधियों से मांग किया है कि मैया योजना और पेंशन संबंधी समस्याओं से आम जनता को राहत दिया जाए। इसके लिए प्रखंड मुख्यालय में जो स्टाफ है उसे निर्देश देने की कृपा की जाए कि सिस्टम को अपडेट रखे ,सिस्टम मेंटेनेस में 15 दिन लगाया जाता है उसे एक दो दिन में करवा उपरोक्त योजनाओं को क्रियान्वयन के लिए जो भी स्टाफ है वो कार्यालय अवधि में दूर दराज से आए लोगो का अविलंब कार्य करें, मुकुंद साव ने उपायुक्त हजारीबाग से मांग किया है कि पेंशन इत्यादि के लिए स्पेशल स्टाफ दिया जाए ताकि इस पेंशन के लाभुको को पेंशन समय पर मिल सके,और प्रखंड के सुदूर गांवों जो लगभग लगभग 25 किलोमीटर से चलकर ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर लगाती है उन्हे राहत मिल सके। गौरतलब है कि वर्तमान में भाजपा के सांसद और विधायक हैं उसके बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है जिससे कार्यकर्ता मायूस हो रहे हैं।

श्री श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ काजरात के तीसरे दिन धूम धाम से निकाली गई नगर भ्रमण यात्रा

हुसैनाबादःकृष्णा यादव

हुसैनाबादः झारखंड- बिहार सीमा क्षेत्र के कजरात कररबार नदी के तट पर अवस्थित भगवान भास्कर एवं ग्राम देवी मां की प्रतिमा स्थापित करने हेतू यज्ञाधीश श्री श्री 1008 श्री घनश्यामाचार्य (बालक स्वामी) एवं अर्जुन दास महाराज के सानिध्य में हो रहे पांच दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के तीसरे दिन यज्ञाचार्य धर्मराज पांडेय के नेतृत्व में कजरात नावाडीह गांव में गाजे बाजे के साथ फूल पत्ती से डोली को सजाकर नगर भ्रमण यात्रा निकाली गई। कजरात नावाडीह गांव के प्रत्येक घरों के दरवाजे पर डोली घुमाई गई जहां श्रद्धालुओं ने अन्न, फल, वस्त्र, मिष्ठान, द्रव्य आदि दान देकर स्वागत किया।इस दौरान सूर्य भगवान की जय, देवी माता की जय, बजरंग बली की जय एवं गायत्री माता की जयकारे से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।

नगर भ्रमण में उपस्थित श्रद्धालुओं में महिलाओं में विशेष उत्साह रहा। महिलाएं पारंपरिक गीत गाते हुए डोली के साथ साथ चल रही थी।महिलाएं अपने अपने घरों के बाहर साफ सफाई के पश्चात दरवाजे को धो एवं लीप पोतकर दरवाजे पर रंगोली बनाकर एवं पूजा की थाली सजाकर अपने बारी का इंतजार किया। वहीं बेलबिगहा पंचायत की मुखिया अनंती देवी, पूर्व मुखिया रामलखन यादव नगर भ्रमण यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के साथ साथ भ्रमण किया। यज्ञाचार्य धर्मराज पाण्डेय ने बताया कि श्री श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के चौथे दिन 21 अप्रैल को भगवान भास्कर एवं ग्राम देवी मां की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कराई जाएगी। साथ ही आगामी 22 अप्रैल 2025 को पूणार्हुति एवं महाभंडारे के साथ संपन्न होगा।यज्ञ के प्रथम दिन से ही भंडारा का आयोजन किया जा रहा है. जिसमे काफी संख्या में लोग शामिल हुए. यज्ञाचार्य धर्मराज पाण्डेय ने कहा की यज्ञ हवन से वातावरण शुद्ध होता है. इसका अध्यात्मिक व वैज्ञानिक महत्व है. मौके पर मुख्य यजमान कृष्णा यादव, ममता देवी, प्रमोद प्रजापति, ललन मेहता, बिगन प्रजापति, सरिता देवी,रामाकांत यादव, रवि मेहता, रितेश यादव, श्री राम यादव, दिलीप साव, विजय साव, रिंकू गुप्ता,पंकज प्रजापति, छोटू मेहता, पप्पू यादव, धनंजय राम, दीपक मेहता , रंजना देवी, पूनम देवी , देवंती देवी,नंदू यादव , हरिराम यादव , सुमित कुमार सिंह, अरविंद सिंह, विवेक सिंह, रकेश यादव,सहित कई लोग मौजूद रहे।महायज्ञ के तीसरे दिन परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।

दूसरा दिन सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान महायज्ञ में लग रहा है भक्तों का ताता

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - आज दिनांक 20 अप्रैल 2025 दिन रविवार को मोराबादी स्थित यज्ञा बाबा आश्रम के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय श्री यज्ञा बाबा मूर्ति अनावरण,देव प्रतिष्ठा एंव श्रीमद् भागवत कथा में भक्तों का ताता लग रहा है।मंदिर के महंत श्री भरत दास जी महाराज जी ने बताया कि आज दूसरे दिन आचार्य श्याम सुंदर शर्मा ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ देव स्थापन,मंडप पूजन,जलाधिवास,अन्नाधिवास के साथ विधिवत पूजा अर्चना के साथ महायज्ञ की शुरूवात हुई। सभी भक्त आस्था के साथ यज्ञ में आहुतियां देकर भक्ति में विलीन हुए साथ ही आज शाम में दूसरे दिन के भागवत कथा में गया पीठाधीश्वर स्वामी वेंकटेश प्रसन्नाचार्य जी महाराज जी ने मधुर संगीतमय भागवत कथा सुनाकर भक्तों को मंत्र मुग्ध कर दिया।उन्होंने कहा कि बिना सत्संग के मनुष्य में विवेक जागृति नहीं होती है।उन्होंने भक्तो को भागवत कथा की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि हमें भगवान की पूजन सदैव करते रहना चाहिए क्योंकि मानव जीवन बड़े भाग से मिलता है।कथा के समाप्ति के बाद भक्तो के बीच महा प्रसाद का वितरण किया गया। आज के समारोह मे मुख्य अतिथि देश के रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ जी उपस्थित रहे और कथा वाचक स्वामी वैंकटेश प्रसन्नाचार्य जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त कर कथा का आनंद लिए। आज के इस महायज्ञ के मुख्य यजमान संतोष कुमार पाण्डेय व रवीना पांडेय,हर्ष कुमार व श्रुति श्रेया,अयोध्या बक्षी,अमित विक्रम और निधि शर्मा,राधे श्याम शर्मा,राकेश शर्मा व प्रिया शर्मा सपरिवार उपस्थित रहे। आज के कथा में मुख्यरूप से मंदिर के मुख्य पुजारी विकास पांडेय,आशुतोष द्विवेदी,शिव किशोर शर्मा,पंकज साहू, ऋषिकेश लाल,अमित जायसवाल,नारायण मिश्रा सहित मंदिर समिति के महिला मंडली के अपनी सेवा दे रही ख्याति मुंजाल,इस्मिता शुक्ला,किरण सिंह,रूपम झा,प्रतिमा सिंह, सिंधु बाला,सुनीता देवी सहित कई भक्तगण उपस्थित थे।

नहीं थम रहा अंचल का आतंक,भू-दान जमीनों पर भू-माफियाओं ने डाला डाका

सूत्रों की मानें तो फजीर्वाड़ा का परत दर परत भेद खुलने से माफियाओं,अधिकारियों व बिचौलियों के गठजोड़ में मचा हड़कंप

बड़े पैमाने पर क्षेत्र से बाहर के अज्ञात लोगों द्वारा अहस्तांतरणीय जमीनों की आखिर कैसे कराई गई अवैध जमाबंदी,इस मामले में जबाबदेहों के चुप्पी का क्या है गहरा राज।

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवाःचतरा। अंचल क्षेत्र भू-माफियाओं के गठजोड़ों द्वारा फजीर्वाड़े के आतंक से इन दिनों सभी काफी हलकान परेशान हैं।सक्षम फरियादी जहां समुचित पटल तक रख कर जूझ रहे हैं वहीं गरीब तब का भयाक्रांत है।पूरे अंचल क्षेत्र के गड़बड़ियों का पिटारा जैसे हीं धीरे-धीरे खुलने लगा है शामिल गठजोड़ों में पूरा हड़कंप मचा है कि कहीं जांच

एजेंसियों की नजर उनके कुबेर खजाने पर ना पड़ जाये। सनसनीखेज मामला मौजा किसुनपर के खाता 115 में शोषित वंचितों को आवंटित किये गये भू-दान की जमीनों पर बाहरी कई अज्ञात लोगों की अवैध जमाबंदी होने से अब लोगों को ये समझ नहीं आ रहा है कि आखिर माफियाओं का गठजोड़ कितना गहरा है। पर्दे के पीछे पद और पैसों से मदोन्मतों का आतंक आखिर कब थमेगा।पिछले हीं दिनों चतरा जिला प्रशासन द्वारा फजीर्वाड़ा मामले में संगठित गिरोहों के साथ कुछ अधिकारियों की संदिग्ध भूमिकाओं का जिक्र करते हुवे प्राथमिकी तक दर्ज करा चुकी है। संगठित गिरोहों द्वारा हाइ प्रोफाइल हो रहे भूमि फजीर्वाड़ा का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि भूदान की जमीनों को लेकर पट्टा में जब हस्तांतरण निषिद्ध है तो उसकी जमाबंदी दूसरे जिले के लोगों को कैसे हो गई। शोषित वंचितों के विरुद्ध ऐसे फजीर्वाड़ा पर मौन व्रत साधने वाले बेनकाब होने लगे हैं। क्या जिला प्रशासन द्वारा जब ये पुष्टि हो चुकी है कि संगठित गिरोहों द्वारा टंडवा में बड़े पैमाने पर फजीर्वाड़ा किया गया है। बढ़ते मामलों के कारण लोग जांच हेतु केंद्रीय जांच एजेंसियों समेत न्याययिक प्राधिकार से लिखित याचना हो रही है। आशंका जताई जा रही है कि एक भ्रष्ट अधिकारी अवैध धनोपार्जन हेतु अपने मातहतों और रिश्तेदारों के बदौलत साज़िश और फजीर्वाड़ा को दे रहा है अंजाम। जिस पर निष्पक्ष जांच होने पर बड़ा सिंडिकेट का भण्डा फोड़ होना संभावित माना जा रहा है।

सत्ता के नशे में चूर झामुमो का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर- भाजपा

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अमृत पाण्डेय एवं प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी जिला कार्यालय प्रदेश ने रविवार को जिला कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, नगर अध्यक्ष सोहन मंडल और युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक साह उपस्थित हुए। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि सत्ता के नशे चूर झारखंड मुक्ति मोर्चा का चाल, चरित्र और चेहरा अब जनता के बीच उजागर हो गया है। रांची के केंद्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए झामुमो नेताओं ने पाकुड़ जिले से लाखों की अवैध उगाही की है। वायरल ऑडियो से यह साबित हो गया कि किस प्रकार झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता सरकारी पदाधिकारियों को धमका कर पैसे की मांग कर रहे हैं। वायरल ऑडियो में झामुमो नेता ने स्पष्ट कहा कि उनके जिलाध्यक्ष का सख्त निर्देश है कि झामुमो के केंदीय अधिवेशन को सफल करने के लिए

प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं तमाम सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों से अवैध वसूली किया जाए । जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि जिले के उपायुक्त महोदय के नाक के नीचे उनके अधीनस्थ सरकारी कर्मचारी एवं पदाधिकारियों को धमका कर वसूली की जा रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस वायरल ऑडियो के 100 घंटे से अधिक बीत जाने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की जबकि वायरल ऑडियो में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने यह भी कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का राज है और इस राज्य में हेमंत सोरेन के प्रतिष्ठा बचाने के लिए हर हाल में उगाही करने ही होगी।इस ऑडियो प्रकरण से साफ प्रतीत होता है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी,राजमहल सांसद श्री विजय हंसना जी, महेशपुर विधायक श्री स्टीफन मरांडी जी के इशारे पर ही पाकुड़ जिले में भ्रष्टाचार का खेल आज चरम सीमा पर है। जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कि इतना ही नहीं लिट्टीपाड़ा के माननीय विधायक हेमलाल मुर्मू जी ने पिछले दिनों पाकुड़ में संवेदकों की बैठक कर 'टेंडर मैनेज' का दबाव बना रहे हैं। सरकारी प्रावधानों के विपरीत संवेदकों को ई'ड्ढ६ में काम न करने को धमका रहें हैं। हेमंत सोरेन 2.0 में भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकारी तंत्र हताश और लाचार लग रहा हैं।समाज के सजग प्रहरी होने के नाते भारतीय जनता पार्टी हेमंत सरकार एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के इस भ्रष्टाचार के इस षडयंत्र को जनता के बीच ले जाएगी।समाज के सजग प्रहरी होने के नाते भारतीय जनता पार्टी हेमंत सरकार एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के इस भ्रष्टाचार के षडयंत्र को जनता के बीच लाकर उनका पोल खोलेगी। प्रदेश मंत्री दुर्गा मरांडी ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा कांग्रेस के शासन में जनता त्रस्त है। यह सरकार जनता की चिंता छोड़ अवैध रूप से पत्थरों का परिचालन, कोयले का परिचालन कर रही है। राज्य की भोली भाली जनता को बेवकूफ बनाया जा रहा है। झामुमो नेताओं के द्वारा किए जा रहे इस प्रकार के अनैतिक कार्य का भारतीय जनता पार्टी कड़ा विरोध करती है।

हंटरगंज प्रखण्ड के कई गांवों में आयोजित विवाह समारोहों में शामिल हुए विधायक

विकास कुमार यादव

हंटरगंज/चतराः- हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत घंघरी, केंदली , डुमरिया, कोबना, गोखना, फतुहा चक आदि कई गांवों में एक दिवसीय दौरे पर रविवार को चतरा विधायक जनार्दन पासवान पहुंचे, जहां उन्होंने इन शुभ अवसरों पर वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। इस दौरान उन्होंने कहा क्षेत्रवासियों से मिलकर समाज की खुशियों में शामिल होना और आशीर्वाद स्वरूप शुभकामनाएं देना, हम सभी की साझा संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। ऐसे आयोजन आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को और भी मजबूत करते हैं।मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि सभी नवविवाहित जोड़ों का जीवन खुशियों से भरा रहे और उनके घरों में सुख-शांति बनी रहे।

बलियाचौकी स्थित मां यशोदा मेडिकल में बदमाशों के द्वारा अंधाधुंध फायरिंग कर दुकान में लूटपाट की घटना को दिया अंजाम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कुंडा थाना क्षेत्र के तितमो बलिया चौकी स्थित मां यशोदा मेडिकल में से बदमाशों के द्वारा अंधाधुंध गोली फायरिंग कर दुकान में किया तोड़फोड़ और लटू की वारदात को दिया अंजाम जिसमें मेडिकल संचालक प्रमोद कुमार के दाहिने हाथ में गोली छूकर निकल गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना मिलते ही कुंडा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल पहुंचाया जहां पर इलाज जारी है वहीं घटना के संबंध में संचालक प्रमोद कुमार ने बताया कि 10:00 बजे दिन में ऋषि नाम का एक लड़का वहां आया और गोली मारने की धमकी देकर चला गया जिसके बाद लगभग 1:00 बजे के आसपास पल्सर बाइक में बैठकर ऋषि कुमार अमित कुमार मोहन कुमार के अलावे अन्य बदमाश वहां पर पहुंचे और लाठी डंडे से दुकान में तोड़फोड़ करना शुरू कर दिया और संचालक के रोकने पर संचालक के ऊपर गोली चला दी जिससे संचालक प्रमोद कुमार घायल हो गया इसके बाद ग्ल्ले में पड़े 40 हजार नगदी लुट फरार हो गए प्रमोद कुमार ने बताया कि ऋषि कुमार 40 लाख रुपया की रंगदारी का मांग कर रहा था फिलहाल पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल में जुट गई है

संक्षिप्त समाचार

केयर हॉस्पिटल का उद्घाटन आजसू के केंद्रीय सचिव सह जनसेवी जिला परिषद सदस्य आसुतोष तिवारी द्वारा किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - चान्हों के कटैया में केयर हॉस्पिटल का उद्घाटन आजसु के केंद्रीय सचिव सह जनसेवी जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी के द्वारा किया गया इसके संचालक महताब अन्सारी ,अब्दुल्ला अन्सारी, मोहन ताम्रकार ,ड्रेसर कयूम अन्सारी ,डॉक्टर परवेज आलम, राम जान अंसारी ,सहित बड़ी संख्या में वहाँ के स्टाफ नर्स सहित ग्रामीण शामिल हुए ,संचालक महत्ताब अंसारी द्वारा कहा गया कि यहाँ विभिन्न तरह के ग्रामीण स्तर की सेवाएँ प्रदान की जाएंगी साथ ही आयुष्मान का भी लाभ यहाँ जल्द शुरू किया जाएगा और ग्रामीणों को बहुत सहुलियत के साथ और 60 कॉल डॉक्टरों की टीम इलाज करेगी।

ग्राम पंचायतों में कचरे का प्रबंधन कर स्वस्थ वातावरण देने हेतु जिला प्रशासन प्रयत्नशील

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ ग्राम पंचायत में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार प्रयत्न कर रहा है। इसी क्रम में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में 15 वें वित्त आयोग की अनुदान राशि से सेग्रीगेशन बिन और भस्मक का निर्माण कराया जा रहा है। भस्मक एक ऐसा यंत्र है जिसमें इस्तेमाल की गई सेनेटरी पैड को जलाकर भस्म कर दिया जाता है ताकि उसमें लगे जीवाणु, कीटाणु के फैलाव को रोका जा सके। इसी प्रकार गीला कचरा एवं सुखा कचरा का पृथक्करण कर रखने के लिए सेग्रीगेशन बिन का निर्माण कराया गया है। जिले में अभी तक कुल 809 भस्मक एवं 988 सेग्रीगेशन बिन का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

युवा पीढ़ी को जागरूक करने एवं शिक्षा की सही दिशा पे चर्चा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

इनरव्हील क्लब ऑफ देवघर द्वारा अध्यक्ष अर्चना भगत एवं सचिव कंचन मूर्ति के नेतृत्व में आज अम्बेडकर पुस्तकालय में एक विशेष मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। यह पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ हजारों छात्र-छात्राएँ 24 घंटे अध्ययन करते हैं, और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल रही। इस अवसर पर हमारे नगर के एसडीएम रवि कुमार ने विद्यार्थियों के बीच उपस्थित होकर न केवल उन्हें पढ़ाई के सही तरीकों के बारे में बताया, बल्कि यह भी समझाया कि किस प्रकार अपनी पढ़ाई को सार्थक बनाया जाए। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के व्यावहारिक तरीके बताए और असफलता से डरने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। रवि कुमार ने अत्यंत सरल और प्रभावशाली भाषा में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया, जिससे बच्चों में उत्साह की लहर दौड़ गई। उन्होंने बच्चों के सवालों का जवाब भी अत्यंत सहजता से दिया, जिससे छात्रों का आत्मविश्वास और भी मजबूत हुआ। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अम्बेडकर पुस्तकालय के संचालक राजकुमार बर्णवाल एवं नंदलाल पंडित का विशेष सहयोग रहा। रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन पियूष जयसवाल का भी इस कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। इनरव्हील क्लब ऑफ देवघर की ओर से ज्ञानी मिश्रा, रीता चौरसिया, रश्मि रंजन, सारिका साह, निशा गुप्ता एवं नीलीमा वर्मा कार्यक्रम में उपस्थित रहीं और आयोजन को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिशा की बैठक में शामिल होने आ रहे केंद्रीय मंत्री ललन सिंह मुंगेर लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का लेंगे जायजा

डकरा नाला सिंचाई परियोजना के जीर्णोद्धार कार्य का कर सकते हैं अवलोकन

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार की ओर से गठित जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होने केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह मुंगेर लोकसभा क्षेत्र के विशेष दौरे पर हैं। मुंगेर लोकसभा मुख्यालय में ललन सिंह के आगमन को लेकर पार्टी के नेताओं की ओर से तैयारी जोर शोर से की जा रही है। ललन सिंह सोमवार को मुंगेर जिला मुख्यालय एवं आसपास के इलाकों में करोड़ों की लागत से चल रही योजनाओं का भी जायजा लेंगे। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह को मुंगेर एवं लखीसराय में अपने सरकारी कार्यक्रम के तहत जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में शामिल होना है। दिशा के कार्यक्रम में शामिल होने से पहले ललन सिंह ने रविवार को मुंगेर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत बाढ़ विधानसभा में कई गांवों में पार्टी के कार्यकताओं से मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी पर चर्चा किया। इस दौरान ललन सिंह ने बढ़ विधानसभा क्षेत्र के सबनीमा, अथमलगोला, करजान, राणा बिगहा, शहरी एवं बिहारी बिगहा गांव में भी जदयू कार्यकताओं से मुलाकात की। ललन सिंह खुटहा में भी एक कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह सोमवार को मुंगेर जिला मुख्यालय स्थित परिसदन में जदयू के नेताओं से मुलाकात कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। वहीं, 24 अप्रैल को बिहार के मधुबनी में विशेष दौरे पर पहुंच रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री ललन सिंह मुंगेर में एनडीए गठबंधन के नेताओं के साथ भी विचार विमर्श करेंगे। चर्चा यह भी है कि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह सोमवार को 145 करोड़ की लागत से 40 वर्ष पुराने डकरा नाला सिंचाई परियोजना को धरातल पर लाने की दिशा में शुरू हुए जीर्णोद्धार कार्य की भी समीक्षा कर सकते हैं। हेरुदियारा गांव में गंगा किनारे बन रहे विशाल वॉटर रिजर्वॉयर के कार्य का अवलोकन कर अधिकारियों से काम को जल्द पूरा करने का निर्देश भी जारी कर सकते हैं। मंत्री ललन सिंह आगामी 24 अप्रैल को मधुबनी में आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में मुंगेर जदयू के नेताओं व कार्यकताओं को शामिल होने के लिए आमंत्रित भी करेंगे।

वक्फ संसोधन बिल 2025 के बिरोध मे रविवार को मांडर के मुड़मा मे तहफ्फुज ए वक्फ कांफ्रेस का आयोजन किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - वक्फ संशोधन बिल 2025 के विरोध में रविवार को मुड़मा में तहफ़्फ़ुज ए वक्फ कांफ्रेंस का आयोजन किया गया. झारखंड तंजीम व रांची जिला मोमिन कांफ्रेंस की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रखंड के मुस्लिम संगठन के प्रतिनिधियों व अन्य लोगों ने हिस्सा लिया. और वक्फ संशोधन बिल के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की. दौरान आमया संगठन के एस अली ने वक्फ और वक्फ संशोधन बिल के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी उपलब्ध करायी और कहा कि वक्फ संशोधन बिल 2025 मुसलमानों के धार्मिक स्वायत्तता और मौलिक अधिकार का उल्लंघन है. झारखंड तंजीम के केंद्रीय प्रवक्ता मौलाना शाकिर इस्लाही ने केंद्र सरकार से कृषि कानून की तरह वक्फ संशोधन बिल को भी वापस लेने की मांग की और कहा कि यह मुसलमानों के जीने मरने का मसअला है. इसके बाद भी यह मसअला मुसलमानों के वोट से जितने वाली राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा से बाहर है. कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने वक्फ बिल में संशोधन कर भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि वह संविधान बदलने के लिए तुली हुई है. उन्होंने वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ आंदोलन को मुकाम तक पहुंचाने के लिए धैर्य रखने व संजीदगी के साथ लड़ाई लड़ने का आहवान करते हुए कहा कि मुसलमानों के पुरखों ने भी देश की आजादी के लिए अपना खून दिया है और काला पानी की सजा भुगती है. इसलिए इस देश में जितना हक दूसरों का है उतना मुसलमानों का भी है. इस अवसर पर अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि बहुमत का आंकड़ा दिखाकर वक्फ बिल अधिनियम के माध्यम से केंद्र सरकार पूरे देश में मुसलमानों को अपमानित करने व उनके समानता के अधिकार पर हमला का प्रयास कर रही है. जिसके विरोध में मुस्लिम तंजीमें आंदोलन कर रहीं है. यह आंदोलन मुकाम तक पहुंचने तक जारी रहेगा. कार्यक्रम में कांके के विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि कोई भी कानून देश व राज्य हित में ही बनाया जाता है. लेकिन जिस कानून से पूरा समाज नाराज हो वैसे कानून का कोई मतलब नहीं है. उन्होंने वक्फ संसाधन बिल के खिलाफ आंदोलन में मुस्लिम समाज के साथ खड़ा होने का भरोसा भी दिलाया. कार्यक्रम में कई अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किये.इस दौरान वक्फ संशोधन बिल 2025 के विरोध को पार्टी के एजेंडा में शामिल करने के लिए सुरेश बैठा व बंधु तिर्की को ज्ञापन भी दिया गया. संचालन रांची जिला मोमिन कांफ्रेंस के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने किया. मौके पर नुरुल्लाह हबीब नदवी, अताउल्लाह अंसारी, शमीम बड़ेहार, कमरुल हक, मुफ़्ती अब्दुल्लाह, ऐनुल हक, लोकेश आनंद, अब्दुल्लाह अंसारी, अरशद अयूब, आदिल अजीम, शमीम अख्तर, इरशाद इमाम, अतहर अन्सारी, आबिद अन्सारी, अफरोज अंसारी सहित अन्य मौजूद थे!

शेखर बोस खेल अवार्ड सम्मान समारोह का आयोजन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

शेखर बोस खेल अवार्ड सम्मान समारोह का आयोजन स्थानीय एकता इंटरनेशनल होटल में किया गया। शेखर बोस झारखंड वॉलीबॉल संघ के महा सचिव जिनके खेल के योगदान को पूरा भारत सम्मान करता है उनके सम्मान में ये आयोजन किया गया था।विभिन्न खेल में प्रशिक्षण के लिए कोच को अवॉर्ड दिया गया। एथलेटिक्स से दीपक कुमार को,ताइक्वांडो से प्रवीर राय को ,हैंडबॉल से राजेश रंजन को, कबड्डी से आलोक कुमार को स्विमिंग से सुधाकर चौधरी को जबकि फुटबॉल से विशाल सोरेन को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।।खेल के क्षेत्र ने अहम भूमिका निभाने वाले 3 समाज सेवी को भी खेल सम्मान अवॉर्ड दिया गया। जिसमे देवघर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रवि केसरी, संत माइकल एंग्लो समूह के अध्यक्ष डॉ जेसी राज और आर के वि वि एम के डायरेक्टर सौगता कर शामिल थे।खेल के क्षेत्र में पत्रकारिता के माध्यम से लोगों तक जानकारी देने के लिए मीडिया बंधु का भी सम्मान किया गया।वॉलीबॉल और हैंडबॉल में नेशनल खिलाड़ी आयुष नेवर, दिव्या कुमारी, रीमा कुमारी, त्रुशा कुमारी,साक्षी भारद्वाज,वीर कुमार को भी सम्मानित किया गया। सचिव जिला खेल प्राधिकरण आशीष झा ने कहा की सभी संघ के वर्षों की मेहनत का नतीजा है की आज देवघर में कई उम्दा कोच और खिलाड़ी यहां सभागार में मौजूद है साथ ही कहा बिना सरकारी सहायता बड़ा बड़ा इवेंट यहां के समाजसेवियों के द्वारा कर लिया जाता और वो बढ़चढकर हिस्सा लेते है , साथ ही देवघर के कोच को टास्क दिया अगला अवॉर्ड समारोह में टेबल पर अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बैठे। अगला अवॉर्ड और बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा जिसमें कई खिलाड़ी और कोच को सम्मानित किया जाएगा। मीडिया को विशेष धन्यवाद दिया मीडिया खेल को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे है जन जन तक खेल की सूचना पहुंचा रहे और इसका परिणाम है की खिलाड़ी हर खेल में भाग ले रहे है। बतौर मुख्य अतिथि देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष ध्रुव सिंह और डीएसए सचिव आशीष झा , योगा संघ के अध्यक्ष रितेश केसरी,सहित वॉलीबॉल संघ के उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार , कोषाध्यक्ष जूही केसरी,सह कोषाध्यक्ष बंटी नंदन सिंह,संयुक्त सचिव,राकेश पाण्डेय प्रीतम भारद्वाज,आशुतोष कुमार के द्वारा सम्मान दिया गया।। वॉलीबॉल प्रशिक्षण के स्मैश मशीन सहित जरूरी समान जिससे वॉलीबॉल के खिलाड़ी का विकास हो उपलब्ध कराया जाएगा।।इस मौके पे संघ के सदस्यों मीडिया बंधु के अलावा आर के वीवी एम स्कूल के उप प्राचार्य सुनील कुमार ,सोनू कुमार,रवि शंकर वर्मा,चंदा कुमारी,लाल मोहन कुमार मौजूद थे।।ये जानकारी संघ के सचिव नवीन शर्मा ने दिया।

सड़क सुरक्षा टीम द्वारा चलाया गया वाहन जांच अभियान

वाहन चालकों से की गई अपील सभी नियमों का करे पालन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः पाकुड़ जिले में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण रखने और मोटर वाहन अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निर्देश पर रविवार को शहर में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर के नेतृत्व में हरिन डांगा चौक से लेकर नगर थाना पाकुड़ मुख्य मार्ग सहित अन्य प्रमुख सड़कों पर यह अभियान चलाया गया। जांच अभियान में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक, सड़क सुरक्षा विभाग के कर्मियों सहित पुलिस बल की भी सक्रिय भागीदारी रही। इस अभियान के दौरान 20 से 30 चार एवं दो पहिया वाहनों की गई जांच। नो पार्किंग जोन में वाहन पार्क करने पर 6 वाहन चालकों से करीब 4,650 रुपये और हेलमेट नहीं पहनने तथा अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर 13 दोपहिया वाहन चालकों से 29,650 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। कुल मिलाकर 34,300 रुपये की वसूली ई-चालान के माध्यम से की गई। जांच के दौरान वाहनों के आरसी बुक, फिटनेस सर्टिफिकेट, प्रदूषण प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, रिफ्लेक्टिव टेप, ट्रिपल लोडिंग और शराब पीकर वाहन चलाने जैसी गतिविधियों की भी जांच की गई। गलत तरीके से वाहन पार्क करने वालों को चेतावनी देते हुए प्रशासन ने कहा कि बार-बार ऐसा करने पर टोइंग व्हीकल से वाहन जब्त कर नगर थाना ले जाया जाएगा और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सड़क सुरक्षा प्रबंधक ने मौके पर मौजूद सभी वाहन चालकों से अपील की कि वे वाहन चलाते समय सभी नियमों का पालन करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आगे भी यह जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। जिन वाहनों का बीमा, फिटनेस, प्रदूषण प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज अद्यतन नहीं होंगे या जिन पर अल्टरेशन, ओवरलोडिंग आदि के उल्लंघन पाए जाएंगे, उन पर न सिर्फ जुमार्ना बल्कि चक्रवृद्धि ब्याज के साथ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पूर्व में काटे गए चालान का भुगतान न करने की स्थिति में वाहन को ब्लैकलिस्ट करने और पाकुड़ व्यवहार न्यायालय में सूची प्रस्तुत कर विधिसम्मत कार्रवाई की भी चेतावनी दी गई है।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाते हुए कार्यवाही को लेकर राष्ट्रपति को लिखा पत्र

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ रविवार को राष्ट्रीय संगठन रामभक्त सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रतिनिधि सनातनी सागर ने देश के राष्ट्रपति को मेल के माध्यम से पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में पिछले दिनों घटित मामले पर चिंता जताते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा की वक्फ बोर्ड को लेकर संसोधित कानून जिसे भारत के संविधान में पारित किया गया , जिसपर जिस प्रकार से पश्चिम बंगाल में विगत 11 अप्रैल दिन शुक्र वार को राज्य के कई जिलों में विशेष समुदाय के द्वारा शांतिपूर्वक विरोध न करते हुए एक टारगेट के तर्ज पर प्लान करते हुए हिन्दुओं के घरो में हमला, दुकानों में तोड़फोड़ / लूटकांड , आगजनी , हत्या जैसे घटना को अंजाम दिया गया उसकी संगठन पूरी तरह से निंदा करती है। ऐसी भयावह घटना को अंजाम दिया गया जो इस देश की आजादी पर एक प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया। वही मामले को लेकर पीड़ितों के अनुसार स्थानीय बंगाल पुलिस को बार बार फोन करने के बाद भी मौके पर कोई एक्शन न लेना या न आने से बंगाल पुलिस की निति और कार्यशैली पर भी सवाल खड़ा हो रही है। महोदया को बताना चाहूंगा की सबसे बड़ी दुर्भाग्य इस बात का है की अपने ही राज्य और देश में रहने के बाद भी पीड़ितों को विशेष समुदाय के डर से घर छोड़कर भागना पड़ा और ऐसे मामलो पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के द्वारा देश की कानून को न मानने की बात खुलेआम कहना मतलब साफ है की इस घटनाक्रम में राज्य सरकार पूरी तरह संलिप्त है। सागर ने कहा की अगर समय पर केंद्रीय फोर्स नहीं आती तो स्तिथि और भी भयावह होने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने राष्ट्रपति से निवेदन करते हुए कहा की ऐसी घटना दोबारा सिर्फ बंगाल ही नहीं देश के अन्य राज्यों में भी न हो इसको लेकर विशेष पहल करने की कृपा करें तथा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाते हुए राज्य की मुख्यमंत्री सहित हमलावरों को चिन्हित करते हुए कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की कृपा करें। संगठन ऐसी घटना की पुरजोर निंदा करती है और राष्ट्रपति से सकारात्मक पहल करने की उम्मीद रखती है। उनके द्वारा प्रतिलिपि में बंगाल के राज्यपाल, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री को भी पत्र प्रेषित की है। उन्होंने आगे मीडिया को बताते हुए कहा की संगठन पीड़ित परिवारों से मिलकर जितना संभव हो भोजन भी मुहैया करवाने का कार्य करेगी।

काटी और मीनापुर में सौर्य जयंती समारोह कार्यक्रम को लेकर राकेश सिंह ने की बैठक

पटना ,। मुजफ्फरपुर के काटी और मीनापुर विधानसभा के हरका गुडगाँमा कोदरिया मे 23 अप्रैल को बापू सभागार मे बाबू वीर कुंवर सिंह सौर्य जयंती समारोह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक किया गया जिसमे कार्यक्रम का संचालन मिर्त्युजय साही ने किया और धन्यवाद ज्ञापन संजय शाही ने किया जिसमे मुख्य रूप से भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह कृष्ण मोहन शाही बच्चा सिंह अरुण सिंह गुडगाँमा पप्पू सिंह अविनाश कुमार सिंह कौशल किशोर सिंह कृष्ण कुमार शाही कोदरिया उमेश कुमार सिंह संतोष कुमार सिंह चन्दकेत प्रसाद सिंह मुकुल कुमार सिंह अशोक सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे जिसमे सभी लोगो ने मुजफ्फरपुर से बड़ी संख्या मे पटना पहुंचने का आश्वासन दिया इस अवसर पर स्थानीय लोगो ने भी कहा की कार्यक्रम मे हमलोग के यहाँ से भी भागीदारी अच्छी रहेगी इसके लिए हमलोग लगे हुए है सौर्य दिवस पर सुबह 9.30 बजे विशेष आकर्षण भारतीय वायु सेना का नौ लड़ाकू विमान दस्ता का सूर्य किरण का सौर्य प्रदर्शन पटना मे किया जायेगा।

जिला जज कन्हैया लाल यादव बनेंगे उत्पाद कोर्ट वन विशेष न्यायाधीश

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में जिला जज -एगारह कन्हैया लाल यादव बनेंगे अन्नय विशेष उत्पाद कोर्ट वन के विशेष न्यायाधीश एवं जिला जज पन्द्रह विवेक कुमार सिंह बनेंगे अन्नय विशेष उत्पाद कोर्ट द्वितीय के विशेष न्यायाधीश,इन दोनों कोर्ट में मध निषेध उत्पाद विभाग के हजारों मामले लम्बित है अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि पटना हाईकोर्ट द्वारा औरंगाबाद उत्पाद कोर्ट वन के विशेष न्यायाधीश धनंजय कुमार सिंह और उत्पाद कोर्ट द्वितीय के विशेष न्यायाधीश नितीश कुमार का तबादला डेढ़ माह पूर्व ही हो गया था ,नये न्यायधीशों के नियुक्ति का अधिसूचना पटना हाईकोर्ट के अनुसंशा पर बिहार सरकार समान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किया गया है।

झासा का प्रथम संथाल परगना प्रमंडलीय बैठक देवघर में आयोजित

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 20 04 25 दिन रविवार को झारखंड राज्य स्वास्थ्य सेवा संघ (झासा) का प्रथम संथाल परगना प्रमंडलीय बैठक होटल वायरे में आयोजित किया गया।आज की बैठक के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय आई एम ए के उपाध्यक्ष सह देवघर जिला आई एम ए के अध्यक्ष डॉ धन्वंतरि तिवारी थे।आज की बैठक की अध्यक्षता झासा के राज्य अध्यक्ष डॉ बिमलेश सिंह द्वारा किया गया,जबकि स्वागत संबोधन संथाल परगना के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष डॉ मोहन पासवान द्वारा किया गया।आज की बैठक की शुरूआत संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया जिसमें राज्य के संरक्षक डॉ पी पी साह,राज्य सचिव डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह,राज्य संयोजक डॉ शरद कुमार,देवघर के सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी,आई एम ए सचिव डॉ गौरी शंकर ,जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ अभय कुमार यादव,जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ संचयन ,राज्य कार्यकारिणी के सदस्य डॉ प्रदीप सिंह,डॉ विकास कुमार,डॉ प्रीतिश प्रणय,डॉ राजीव कुमार,डॉ विकास कुमार द्वारा किया गया। बैठक में मंच संचालन डॉ चितरंजन कुमार पंकज,डॉ नीतीश एवं डॉ नवनीता सिंह द्वारा किया गया।बैठक में डॉ धन्वंतरि तिवारी ने कहा कि आई एम ए एवं झासा को संयुक्त रूप से संगठित होने की जरूरत है तभी दोनों संगठन और संगठन के सदस्य मजबूत रहेंगे और तभी सरकार या विभाग हमारी मांगों के प्रति गंभीर होगी।उन्होंने यह भी कहा कि आज घटनाएं हुई है जिसमें डॉ कुंदन के साथ उनके निजी क्लीनिक में मारपीट की गई है उसकी घोर निंदा करता हूं साथ अगर आरोपित को जल्द से जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगी डॉ ठाकुर मृत्युंजय ने कहा कि सरकार बेवजह चिकित्सकों को ृड्डें३१ू उपस्थिति को ले कर जान बुझ कर फंसाया जाता है ताकि सदस्य इसी में उलझा रहे और जो भी हमारी जायज मांगे है उसको टाला जा सके।साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और बिहार के तर्ज पर डी ए सी पी देय के अवधि का अंतराल रहे,उन्होंने यह भी कहा कि संगठन प्रतिबद्ध है कि लंबित डी ए सी पी एवं सेवा संपुष्टि के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य करेगी।राज्य सचिव द्वारा यह भी कहा गया कि बोकारो एवं गोड्डा जिला में उपायुक्त के आदेश पर ïï श्रीड्ढञ्ज्ल्ल३ड्ढल्ल उपस्थिति पोर्टल बनाया गया है इस आदेश का संगठन विरोध करती है,उन्होंने कहा कि जो दन्त चिकित्सक पी जी कर चुके है और कार्यरत है उनको विशेषज्ञ चिकित्सक का कैडर बनाया जाय।देवघर के सिविल सर्जन सह संगठन के संरक्षक डॉ जुगल किशोर चौधरी ने कहा कि 24 में से देवघर सहित सिर्फ 5 जिलों में ही ओ पी डी में नई समय सारिणी के अनुसार मरीज को ओ पी डी में इलाज किया जाता है जबकि सभी 24 जिलों के लिए यह आदेश निकाला गया था।उन्होंने कहा कि नई समय सारिणी से मरीजों को इलाज कराने में बहुत सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।राज्य संरक्षक डॉ पी पी साह ने कहा कि सरकार बायोमैट्रिक उपस्थिति को वेतन से नहीं जोड़े,कुछ जिलों में उपायुक्त द्वारा इसे वेतन से जोड़ा गया है जहां उसके खिलाफ संगठन मजबूती से अपनी बात रख रही है और उपायुक्त को अपना आदेश वापस लेना पड़ता है।संगठन के राज्य अध्यक्ष डॉ बिमलेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन लंबित डी ए सी पी एवं सेवा संपुष्टि के लिए प्रयास करेगी,साथ ही उन्होंने कहा कि दन्त चिकित्सकों की सेवा नियमावली में बदलाव कर उनको बिहार के तर्ज पर चार डी ए सी पी मिले और सामान्य चिकित्सकों के तर्ज उनकी रिटायरमेंट की उम्र सीमा भी 65 वर्ष से बढ़ा कर 67 वर्ष करे।साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत चिकित्सकों को जल्द से जल्द नई एच आर पॉलिसी सरकार लागू करे।आज देवघर जिला झासा के नई कमिटी का भी गठन कर दिया गया,सर्वसम्मति से मनोनीत नई कमिटी की घोषणा प्रमंडलीय उपाध्यक्ष डॉ मोहन पासवान ने किया।जिला के सिविल सर्जन संरक्षक होंगे वही डॉ अभय कुमार यादव को अध्यक्ष,डॉ प्रभात रंजन सचिव,डॉ अशोक अनुज कोषाध्यक्ष,डॉ अनिकेत संयोजक,डॉ संचयन एवं डॉ परमजीत कौर उपाध्यक्ष डॉ आलोक कुमार बिनोद कुमार एवं डॉ शालिनी को संयुक्त सचिव बनाया गया।वही जिला कार्यकारिणी सदस्यों में मधुपुर अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक सहित सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के अलावा डॉ अनिल कुमार,डॉ संजय कुमार,डॉ निवेदिता,डॉ प्रियंका,डॉ अम्बरीष ठाकुर,डॉ निताशा ,डॉ नवनीता सिंह,डॉ अभिषेक प्रकाश को मनोनीत किया गया।मंच का संचालन डॉ चितरंजन कुमार पंकज,डॉ निताशा एवं डॉ नवनीता सिंह द्वारा किया गया।जबकि डॉ प्रभात रंजन एवं राज्य झासा के संयोजक डॉ शरद कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।राज्य से आए हुए सभी पदाधिकारियों को एक पौधा और बाबा बैद्यनाथ मंदिर का एक मोमेंटो दिया गया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ कुमार अभय,डॉ अवधेश सिंह,डॉ जियाउल हक,डॉ श्याम सुंदर सिंह,डॉ सुनील कुमार सिंह,डॉ शब्दकांत मिश्रा,डॉ सिंकी सिंहा,डॉ रूपक,डॉ अनुराधा ,डॉ शंकर लाल मुर्मू,डॉ खालिद,डॉ महेश मिश्रा सहित कई अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

क्या सरकार चाहती है कि सर्वोच्च न्यायालय जी-हुज़ूरी करे !

>> विचार

"धनखड़ का कहना था कि न्यायालय यह नहीं कर सकता, यह काम राज्यपाल और राष्ट्रपति का है। लेकिन सवाल यह है कि राज्यपाल जिसका काम संविधान सम्मत व्यवहार करना है अगर वह केंद्र सरकार के अधीन काम करके राज्य की विधायी व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करे तो क्या किया जाए? क्या किया जाए अगर देश के संघीय ढांचे को चोट पहुंचाई जा रही हो? क्या किया जाए अगर एक चुनी हुई विधायिका, जो नागरिकों के लिए क़ानून बनाने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है।

वंदिता मिश्रा

हालिया फैसलों के बाद केंद्र और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। क्या सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर असर डालना चाहती है? जानिए इस बहस के पीछे की गहराई। 9 दिसंबर 1948 को संविधान सभा में डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि "यदि मुझसे पूछा जाए कि इस संविधान में कौन सा विशेष अनुच्छेद सबसे महत्वपूर्ण है-एक ऐसा अनुच्छेद जिसके बिना यह संविधान निष्प्रभावी हो जाएगा-मैं किसी अन्य अनुच्छेद का उल्लेख नहीं कर सकता सिवाय अनुच्छेद 32 के। यह संविधान की आत्मा और इसका हृदय है।" आंबेडकर को यह अनुच्छेद इसलिए संविधान की आत्मा लगता था क्योंकि यह देश के हर नागरिक को, चाहे उसका कोई भी धर्म, जाति या लिंग हो, उसके मौलिक अधिकारों के हनन के खिलाफ़ देश की सर्वोच्च अदालत में सीधे बिना रोक-टोक जाने और राहत पाने का अधिकार देता है। कोई भी राजनैतिक दल चाहे कितनी भी राजनैतिक शक्ति समेटे हो, चाहे समाज के किसी भी वर्ग का उसे कितना भी समर्थन प्राप्त हो, विधायिका में वह चाहे जितना सबल हो लेकिन उसे भारत के लोगों के मौलिक अधिकारों के हनन का लाइसेंस नहीं मिल सकता। यदि कभी कोई सरकार मुग़ालते में आकर, अपनी विधायी शक्तिबल से प्रेरित होकर ऐसा करने का प्रयास करता है तो सर्वोच्च न्यायालय, जिसे भारत के संविधान का अभिरक्षक कहा जाता है, उसे रोकता है। आंबेडकर इसे 'न्यायिक अतिरेक' नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की एक आवश्यकता के रूप में देखते हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि क़ानून बनाने का काम संसद का है लेकिन क़ानून की व्याख्या करने का अधिकार सिर्फ़ सर्वोच्च न्यायालय को है। और देश की सर्वोच्च अदालत यह कार्य संविधान के आलोक में करती है। जहाँ उसे यह प्रतीत होता है कि कोई क़ानून संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का हनन कर रहा है और सरकार/संस्थाएँ संविधान द्वारा दी गई शक्तियों की सीमाएँ भूल रही हैं, वहाँ न्यायालय अपना हस्तक्षेप करने को बाध्य है क्योंकि उसे यह ड्यूटी संविधान द्वारा दी गई है। मोदी सरकार ने वक़ूफ़ संशोधन क़ानून 2025 संसद से पारित करवाया। यह कहा गया कि इसकी व्यापक संसदीय समीक्षा की गई है, हालाँकि इस पर विपक्षी दल सहमत नहीं हैं। क़ानूनविदों की राय में यह क़ानून 'समानता का अधिकार', 'धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार' और संस्कृति व शिक्षा संबंधी अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह सभी अधिकार संवैधानिक गारंटी प्राप्त मूल अधिकारों की श्रेणी में आते हैं। अब जब अपने इन अधिकारों की सुरक्षा के लिए अल्पसंख्यक समुदाय सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने के अपने अधिकार (अनुच्छेद-32) का इस्तेमाल कर रहा है तो सरकार असहज हो रही है। अल्पसंख्यकों का पक्ष सुनने और क़ानून को प्रथम दृष्टया देखने के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश वाली पीठ ने इस क़ानून के अनुपालन पर फ़िलहाल अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। अल्पसंख्यकों को प्रदान की गई यह राहत केंद्र सरकार और समूची भारतीय जनता पार्टी को नागवार गुज़री है। देश के क़ानून मंत्री का कहना है कि जिस तरह न्यायपालिका कार्यपालिका के कार्य में हस्तक्षेप कर रही है वह ठीक नहीं है "अगर कल के दिन सरकार ने भी न्यायपालिका के कार्य में हस्तक्षेप किया तब क्या" होगा। मेरा सवाल है कि क्या भारत का क़ानून मंत्री भारत की सर्वोच्च अदालत को धमकी दे रहा है? आख़िर इस क़ानून में ऐसी क्या ख़ामी है जिसकी न्यायिक समीक्षा को लेकर केंद्र सरकार विचलित हो रही है? न्यायालय ने यही तो पूछा है कि सदियों पुरानी 'वक़्फ़ बाय यूज़र' के लिए पीड़ित पक्ष दस्तावेज कहाँ से जुटाएगा? अगर दस्तावेज नहीं जुटा सका, जिसकी पूरी संभावना है, तो वह ज़मीन सरकार अपने क़ब्ज़े में ले लेगी; न्यायालय ने समानता के अधिकार का हवाला देते हुए यही तो पूछा है कि जब मन्दिर के न्यासों में मुसलमान नहीं हो सकते तो वक़्फ़ बोर्ड में हिंदुओं को किस आधार पर जगह दी गई है? असल में सरकार यह चाहती है कि वो संविधान को जैसे चाहे वैसे तोड़े-मरोड़े और जिसे संविधान ने संविधान का अभिरक्षक बनाया है वह मूक दर्शक बनकर सरकार की हाँ में हाँ मिलाता रहे, अगर ऐसा नहीं किया तो न्यायपालिका को 'टारगेट' किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे का कहना है कि भारत में 'गृहयुद्ध' चल रहा है और इसके लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस संजीव खन्ना, जिम्मेदार हैं। दुबे यह सब सिर्फ़ इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि देश की सर्वोच्च अदालत ने अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर उनके साथ खड़े होकर सरकार से सवाल पूछ लिया। दुबे यह सिर्फ़ इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को यह याद दिला दिया कि भारत के संविधान में 'समानता का अधिकार' प्रदान किया गया है और यह किसी भी हालत में ख़त्म नहीं किया जा सकता है। अब तक अल्पसंख्यकों के साथ खड़े होने पर राजनैतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता था और अब यह निशाना स्वतंत्र न्यायपालिका पर साधा जा रहा है। मुझे तो कहीं गृहयुद्ध नहीं दिख रहा है। मेरी इतिहास की समझ मुझे गृहयुद्ध का सेंस तब देती है जब कुछ ऐसा हो जैसा-चीनी गृहयुद्ध में हुआ, जो हालात तब बने जब अमेरिकी गृहयुद्ध हुआ या फिर रूसी गृहयुद्ध। इसके अलावा अगर इस सदी की बात करें तो जैसा कांगो में हुआ। सवाल यह है कि निशिकांत दुबे और उनकी पार्टी क्या यह बताना चाहती है कि अगर न्यायपालिका ने अल्पसंख्यकों का साथ दिया तो गृहयुद्ध छिड़ जाएगा? क्योंकि बीजेपी के पास एक 'विकृत इतिहास दर्शन' है इसलिए अगर मान भी लूँ कि गृहयुद्ध चल रहा है तो दुबे जी को यह बताना चाहिए कि गृहमंत्री क्या कर रहे हैं? कहाँ हैं? कैसे निपट रहे हैं? मुद्दा सिर्फ़ इतना है कि देश की सर्वोच्च अदालत आज अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी कैसे हो गई? केंद्र सरकार को अल्पसंख्यक अधिकारों के हनन की लत पड़ चुकी है, चाहे बात- तीन तलाक़ की हो, उअअ-ठफ्ठ की हो या बीजेपी शासित राज्यों में लाए जा रहे तथाकथित समान नागरिक संहिता के क़ानूनों की। जब तक बिना न्यायिक हस्तक्षेप के अल्पसंख्यकों के घर गिराये जाते रहें, उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक साबित किया जाता रहे और संसद में खड़े होकर उनको गालियाँ देने का कार्यक्रम चलता रहे तब तक सब ठीक है लेकिन अगर उन्हें न्यायालय से समर्थन मिलने लगे तो गृहयुद्ध की धमकी शुरू! निशिकांत दुबे भूल रहे हैं कि यह संप्रभु देश भारत है, जिसकी नींव में आंबेडकर, गांधी और नेहरू जैसे लोग हैं, यह विल्सन फिस्क का हेल्स किचन नहीं जहाँ कानून और संविधान को किसी सफेदपोश का ग़ुलाम बनाकर रख दिया जाए (डेयर डेविल वेब सीरीज)। दुबे भारत के 543 लोकसभा सांसदों में से एक सांसद हैं वह स्वयं देश की संसद बनने की कोशिश न करें। जिस न्यायालय पर चर्चा भर करने से पहले (आरोप तो बहुत दूर की बात है) लोकसभा का स्पीकर दस बार सोचता है उस लोकसभा का एक सदस्य होकर उन्हें यह सब करने से पहले अपने स्पीकर से पूछना चाहिए था। वह एक सांसद हैं जिन्हें जनता ने चुनकर भेजा है उन्हें फ्रिंज तत्वों की तरह व्यवहार नहीं करना चाहिए। असल में निशिकांत दुबे को अलग से देखने की ज़रूरत नहीं है यह सब कुछ उस पारिस्थितिकी का हिस्सा है जो देश में दशकों तक शासन करने की ज़िद पाल बैठी है। अब इसके लिए चाहे उसे जिस भी संस्थान को 'किनारे' लगाना पड़े वो लगाने को तैयार हैं। पिछले दस सालों में सर्वोच्च न्यायालय एकमात्र संस्था बची है जहाँ अभी भी यह पारिस्थितिकी पूरी तरह हावी नहीं हो सकी है। पर कोशिश जारी है। और यह कोशिश हर स्तर पर की जा रही है, निशिकांत तो उसमें सबसे निचले पायदान पर हैं। इन दिनों इस मोर्चे का नेतृत्व भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सम्भाल रखा है। उनका पद बेहद संवेदनशील है क्योंकि यह संवैधानिक है। लेकिन शायद धनखड़ ऐसा नहीं सोचते। चूँकि संविधान उपराष्ट्रपति को सर्वोच्च न्यायालय की सीधी आलोचना का कोई अधिकार नहीं देता, फिर भी वो कर रहे हैं इसलिए नागरिक के तौर पर उपराष्ट्रपति की रचनात्मक आलोचना का अधिकार सभी को है, भले ही यह संविधान में सीधे सीधे ना वर्णित किया गया हो। उपराष्ट्रपति धनखड़ पद संभालने के बाद से लगातार सर्वोच्च न्यायालय की आलोचना करते रहे हैं। हाल में उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के 'तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल' फ़ैसले की आलोचना की। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद-142 का इस्तेमाल करके वर्षों से लंबित 10 विधेयकों को राष्ट्रपति की 'अनुमति प्रदान की गई' मानकर पारित कर दिया। धनखड़ का कहना था कि न्यायालय यह नहीं कर सकता, यह काम राज्यपाल और राष्ट्रपति का है। लेकिन सवाल यह है कि राज्यपाल जिसका काम संविधान सम्मत व्यवहार करना है अगर वह केंद्र सरकार के अधीन काम करके राज्य की विधायी व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करे तो क्या किया जाए? क्या किया जाए अगर देश के संघीय ढांचे को चोट पहुंचाई जा रही हो? क्या किया जाए अगर एक चुनी हुई विधायिका, जो नागरिकों के लिए क़ानून बनाने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है, के कार्यों को रोक दिया जाए? क्या किया जाए अगर संवैधानिक पदों पर बैठे लोग संविधान के अनुच्छेदों के माध्यम से संविधान का ही गला घोंटने लगें? ऐसी स्थिति से निपटने के लिए संविधान सभा ने अनुच्छेद-142 का प्रावधान किया। अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' करने के लिए आवश्यक कोई भी डिक्री या आदेश पारित करने की शक्ति देता है, जो पूरे भारत में लागू होता है। न्यायालय ने इसी अनुच्छेद का इस्तेमाल करके राज्यपाल के असंवैधानिक रवैये पर रोक लगा दी। लेकिन इन सबसे उपराष्ट्रपति आहत हो गए। उपराष्ट्रपति धनखड़ को कभी 'संविधान की मूल संरचना का सिद्धांत' खटकने लगता है तो कभी संविधान का अनुच्छेद-142। उनकी परेशानी समझी जा सकती है क्योंकि यह दोनों ही ऐसी बातें हैं जो इस देश में अधिनायकवाद को अपनी जड़ें जमाने से रोक रही हैं। संविधान का मूल ढाँचा सरकारों को संविधान के ऐसे प्रावधानों से छेड़छाड़ करने से रोकती है जो असल में भारत को एक संवैधानिक, संप्रभु और धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के रूप में स्थापित करते हैं। यह ढाँचा राजनैतिक दलों की विचारधारा को देश की क़ानून व्यवस्था और आम जीवन में थोपने से रोकता है। संघीय ढांचे की रक्षा करते हुए यह सिद्धांत देश की अखंडता को जीवंत बनाये रखता है। राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा है कि अनुच्छेद-142 सुप्रीम कोर्ट के पास 24 घंटे सातों दिन उपलब्ध एक नाभिकीय मिसाइल है जिसका वो जब चाहे इस्तेमाल कर सकता है। उनका अनुमान सही हो सकता है लेकिन व्याख्या सीमित है। यह सही है कि भारत के संविधान में वर्णित अनुच्छेद-142 एक अत्याधुनिक संवैधानिक हथियार है जिसकी सटीकता बेहद उन्नत दर्जे की है। यह अगर राज्यपालों द्वारा संघीय ढांचे को बर्बाद करने के ऊपर गिराया जाता है तो सिर्फ़ इसी बर्बादी को ही नुकसान पहुँचाता है। यह हथियार सरकार और विचार के एजेंडे से आगे लापरवाह और ताक़त के मद में डूबी सत्ता से संविधान के ढांचे को बचाने का नज़रिया है। यदि इसने सामान्य नाभिकीय मिसाइल की तरह कार्य किया होता तो राम मंदिर निर्णय से, जहाँ इसका इस्तेमाल किया गया था, देश में असंतुलन स्थापित हो जाता; विशाखा निर्णय से भी देश क्षत-विक्षत हो जाता, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब यदि इसे केंद्र सरकार की उस नीयत पर इस्तेमाल किया गया है जिसके तहत वो किसी भी ग़ैर-बीजेपी सरकार को सामान्य तरीक़े से चलने की अनुमति नहीं देती है तो इसे एक स्वागतयोग्य, संवैधानिक ज़रूरत समझना चाहिए ना कि विध्वंसकारी नाभिकीय मिसाइल।

संपादकीय

झूठे दावे और कोचिंग इंडस्ट्री का कड़वा सच

सही है कि हाल के दशकों में ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्रम में कोचिंग संस्थानों की भूमिका बढ़ती गई है। बल्कि आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा जगत के दायरे में इसे कोचिंग उद्योग के नाम से जाना जाने लगा है। मगर इस क्रम में बनी निर्भरता के समांतर बहुत सारे कोचिंग संस्थान अपने यहां दाखिले के लिए जिस तरह के दावे करते हैं, अपनी उपलब्धियों, सुविधाओं और संसाधनों को इस कदर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं कि कई विद्यार्थी इसके प्रभाव में वहां चले जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी अन्य संस्थान में पढ़ाई किए सफल अभ्यर्थी को वे अपने यहां का बता दें। हालांकि कई बार ऐसे दावे झूठे निकलते हैं। कोचिंग संस्थानों की इस प्रवृत्ति पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है, खुद सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि कई कोचिंग संस्थान अभ्यर्थियों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मगर अलग-अलग तरीके अपना कर झूठे दावे करने के चलन पर अब तक रोक नहीं लगाई जा सकी है। अब एक बार फिर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से परोसे जाने वाले भ्रम पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित इस निकाय ने उनके लिए पिछले वर्ष निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इसके तहत कोचिंग संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विज्ञापन 'सटीक, स्पष्ट हों और भ्रामक दावों से मुक्त' हों; विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर बताई जाने वाली जानकारी में पूरी पारदर्शिता हो। यह छिपा नहीं है कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने के मद्देनजर कोचिंग संस्थान जिस तरह की प्रचार सामग्री जारी करते हैं, उनका केंद्रीय भाव यही होता है कि उनके यहां पढ़ाई करने के बाद सफलता की गारंटी और चयन की संभावना 'सौ फीसद' होगी। हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है। गौरतलब है कि आइआइटी-जेईई परीक्षा के नतीजों आमतौर पर इसी तरह की किसी बड़े महत्त्व की परीक्षा के नतीजों के बाद कई कोचिंग संस्थानों की ओर से ऐसे दावे किए जाते हैं कि उनके यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने कामयाबी हासिल की है। इस क्रम में वे कई बार दूसरे संस्थानों के विद्यार्थी का नाम भी फर्जी तरीके से इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद यही होता है कि इस तरह के प्रचार को देख कर नए विद्यार्थी उनके संस्थान में दाखिला लेने को लेकर प्रभावित होंगे और इस तरह उनके कारोबार का विस्तार होगा। जबकि इसके बरक्स हकीकत यह होती है कि बहुत सारे सफल अभ्यर्थियों का ऐसा दावा करने वाले संस्थानों से कोई वास्ता नहीं होता। कोचिंग संस्थानों को यह स्पष्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती कि सीमित अवसरों के दौर में सभी अभ्यर्थियों की शत-प्रतिशत सफलता की गारंटी वे किस आधार पर देते हैं। इस तरह के दावे एक तरह से झूठ का कारोबार होते हैं, जिसके जाल में फंस कर बहुत सारे विद्यार्थियों का सपना आमतौर पर अधूरा रह जाता है। ऐसे में अपने संसाधनों और क्षमताओं के बारे में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने वाले कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है।

खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

ज्ञानेन्द्र रावत

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है। नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है। सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग-अलग दरों से तेज़ी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक-तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो-तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक-तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं। ग्लेशियरों के इस संकट से यह स्पष्ट है कि अब समय शब्दों का नहीं, कार्यों का है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करना, वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जल स्रोतों को संरक्षित करना मानवता की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन से पता चला है कि हिमालय में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग है, विशेषकर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण। हिमालयी क्षेत्र अब शहरीकरण और जनसंख्या दबाव से जूझ रहा है। वहीं, ग्लोबल वार्मिंग से पिघलते ग्लेशियरों के कारण बन रही झीलें गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। इसरो के अनुसार, हिमालय की 2,432 ग्लेशियर झीलों में से 672 का आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें भारत की 130 झीलें संभावित टूटने के कगार पर हैं। यह स्थिति आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है। यह सच है कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन ग्लेशियरों के विनाश का प्रमुख कारण बन रहे हैं। यह केवल बर्फ के पिघलने का संकट नहीं, बल्कि एक विनाशकारी सुनामी की तरह है जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, द्वीप और तटीय इलाके डूब रहे हैं, बाढ़ और सूखा बढ़ रहे हैं, और नदियां संकट में हैं। हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने के साथ-साथ हिमालय क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप पर अंकुश, जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण करना होगा, ताकि हम कुछ सकारात्मक बदलाव देख सकें। अन्यथा, वह दिन दूर नहीं जब पानी की कमी, सूखे और नदियों का खात्मा हमारे जीवन का हिस्सा बन जाएगा। ग्लेशियरों को बचाना सिर्फ बर्फ को बचाना नहीं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों और जीवन के अस्तित्व को बचाना है।

(लेखक पर्यावरणविद हैं।)

आर्ट एंड कल्चर : कुमुदिनी ने नृत्य में लोक का आलोक संजोया

- डॉ.राजेश कुमार व्यास

कुमुदिनी लाखिया नृत्य और नृत्त के अन्तःसंबधों की संवाहक थीं। उनका अवसान भारतीय कला के एक युग का बिछोह है। कुमुदिनी ने कथक में पहले से होती आ रही परम्पराओं को पुनर्नवा कर उसे आधुनिक दृष्टि दी। वह विरल नर्तकी थीं। नृत्य में निहित भावनाओं और आंगिक हाव-भाव संग वह नृत्य-नृत्त करती थीं। माने शुद्ध शारीरिक गति और लय में वह देह के गान की रसानुभूति करातीं भावों का अनूठा संसार रचती थीं। कथक में अमूर्तन की दृष्टि पहले-पहल किसी ने दी तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। कुमुदिनी ने कथक को मंचीय-विस्तार दिया। मंच पर खाली जगहों, वहां की निष्क्रियता में नृत्य और नृत्त की ऊर्जा संग उन्होंने उमंग भरी। कथक में समूह नृत्य की प्रवर्तक वही थीं। नृत्य-नृत्त के भेद समझाते कुमुदिनी ने कथक के बंधे-बंधाए नियमों के अनुशासन को बरकरार रखते हुए भी कथक को समयानुरूप आधुनिक दृष्टि दी। सर्वथा नया व्याकरण विकसित किया। बंधे-बंधाए कथानकों

की रूढ़ि में कथक के होने की मुक्ति की राह भी किसी ने तलाशी तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। याद है, भोपाल स्थित अलाउद्दीन खां अकादमी के उपनिदेशक रहे, मित्र राहुल रस्तोगी संग एक बार संवाद में यह तय हुआ था कि कुमुदिनी लाखिया की कथक-विचार दृष्टि को उनके यहां जाकर हम संजोएंगे। पर कुछ व्यवधान ऐसे उभरे कि यह संभव नहीं हो सका। पर इस दौरान उनकी कला की मौलिकता को निरंतर जिया। वह नाचतीं तो आंगिक क्रियाएं विचार बन हमसे संवाद करतीं। नृत्य में देह का विसर्जन कर विचार का प्रगटीकरण किसी ने किया तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। उनकी नृत्य-प्रस्तुतियां 'सेतु', 'चक्षु', 'दुविधा', 'कोट' देखते सदा ही यह लगता है कि नृत्य में अमूर्त भी खंड-खंड अखंड विचार बन हममें समाता चला जाता है। कुमुदिनी ने नृत्य में लोक का आलोक संजोया। छाया-प्रकाश, रंगों और परिधानों के बंधे-बंधाए ढर्रे को तोड़ते कथक में कोरियोग्राफी का नया शास्त्र आरंभ किया। कथक में बेले सरीखी छलांग लगाते उड़ान के दृश्य प्रस्तुत करना, तैरना, फिसलना और उतरने की जो अंग-क्रियाएं कुमुदिनी ने ईजाद कीं, वह कथक के भविष्य का उजास है। नृत्य में अपने आपको वह विसर्जित कर देती थीं। यह उनकी कला-दृष्टि ही थी, जिसमें उन्होंने नृत्य में बाधा बनते दुपट्टे को हटाकर पोशाक की रूढ़ियों को तोड़ा।

(संस्कृतिकर्मी, कवि)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

संक्षिप्त समाचार

शांति ,सद्भाव ,भाईचारा का एक विशाल स्थापित करने में अहम रोल रहा है ,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव

दिव्य दिनकर

भागलपुर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्षपप्पू यादवक्षेत्र की जनता का सम्मान और प्यार पा रहे हैं' श्री यादव कहते हैं कि हम कृष्ण के वंशज हैं और इसलिए मेरे अंदर मानवता कब पूजा करने का प्रेरणा मिलता है' 1983के पास से जितने भी त्यौहारहुएसभी शांति ,सद्भाव, और भाईचारे के साथ जोकि अभी तक मनाते आ रहे हैं ,आगे भी मानते रहेंगे' त्योहार को सफल बनाने के लिए पूजा समिति के सभी लोग दिन रात लगे रहते हैं' समिति के अध्यक्ष चौकी 32 वर्षों से पद पर बने हुए हैं, निस्वार्थ भाव से सेवा दे रहे हैं' आज उनके मधुर संबंध को लेकर बड़े-बड़े आईएएस, आईपीएस से अच्छा संबंध है चाहे शोभा यात्रा हो य अन्य कोई सभी त्योहार पर पूजा समिति के सभी टीम लगे रहते हैं 'महामंत्री देवाशीष बनर्जी कहते हैं लोगों के बीच एकता की भावना होनी चाहिए' मौके पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी पप्पू यादव, संरक्षण भावेश यादव, महामंत्री देवाशीष बनर्जी, वह-ीसमाज सेवीनीतू देवी, आकाश यादव अपनी टीम के कर्मठ और गणमान्य लोग उपस्थित रहते हैं'

वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिव्य दिनकर संवाददाता

तारापुर। एवोक इंडिया फाउंडेशन ने मध्य विद्यालय कसबा में वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आशा कार्यकर्ता सेविका पूनम देवी ने की। इसमें ग्रामीण महिलाओं को केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एवोक इंडिया फाउंडेशन के जिला समन्वयक कमलसेन कुमार ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना और सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना एक छोटी बचत योजना है। इसकी शुरूआत 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत हुई थी। इस योजना में माता-पिता या कानूनी अभिभावक 10 वर्ष से कम उम्र की बच्ची के नाम से खाता खोल सकते हैं। इसमें 250 रुपये से लेकर 1.5 लाख रुपये तक सालाना जमा किए जा सकते हैं। एक परिवार से अधिकतम दो बच्चियों के नाम पर ही खाता खोला जा सकता है। यह योजना बच्चियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लाभदायक है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को बीमा, पेंशन, छात्रवृत्ति और अन्य सरकारी लाभों की जानकारी देना था। साथ ही इन योजनाओं तक उनकी पहुँच को आसान बनाना भी लक्ष्य था।

सिगरेट फैक्ट्री में मॉक ड्रिल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो पवन कुमार चौधरी

मुंगेर। इंडियन टोबैको कॉरपोरेशन की मदर यूनिट के रूप में मुंगेर जिला में स्थापित सिगरेट फैक्ट्री में शनिवार को आपदा से बचाव को लेकर एक दिवसीय जागरूकता सह मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी के अगुवाई में मुंगेर के सिगरेट फैक्ट्री में आग से बचाव हेतु अग्नि विभाग की टीम द्वारा मॉक ड्रिल के माध्यम से कर्मी के बीच उसे बचा हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। मॉक ड्रिल के तहत सिगरेट का फैक्ट्री में कार्यरत आपदा से बचाव को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। किसी दुर्घटना के कारण फैक्ट्री में आग लग जाने की स्थिति में अथवा फैक्ट्री के किसी यूनिट में शॉर्ट सर्किट के कारण आगजनी हो जाने पर हमें किन बातों पर विशेष रूप से ख्याल रखना है, इस-ाको लेकर भी कर्मियों को जागरूक किया गया। सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि आग लग जाए तो आप लोग घबराए नहीं बल्कि इन विधि का उपयोग करें। हायर फाइटिंग सिस्टम और इमरजेंसी कम्युनिकेशन की जानकारी दी गई। मौके पर अविनाश कुमार ,राहुल कुमार, विजय कुमार,राकेश कुमार, तथा फायरमैन कर्मी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पर्यवेक्षक ने कांग्रेस कार्यकताओं से संगठन की मजबूती पर की चर्चा

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर जमालपुर विधानसभा अंतर्गत नगर परिषद जमालपुर स्थित श्री मारवाड़ी धर्मशाला के प्रांगण में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में रविवार को एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष साईं शंकर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक विकास बुडानिया तथा मुंगेर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक पासवान उपस्थित थे। अध्यक्ष साईं शंकर ने बैठक में उपस्थित जमालपुर शहर कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं वार्ड अध्यक्षों का परिचय राष्ट्रीय पर्यवेक्षक विकास बुडानिया से करवाया। राष्ट्रीय पर्यवेक्षक ने बैठक में उपस्थित कांग्रेस के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन को बूथ लेवल तक मजबूती प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने हर घर कांग्रेस का झंडा, वोटर लिस्ट फर्स्ट, जन आक्रोश चौपाल और हैंडबिल वितरण, समुदाय केंद्रित बैठक, जिला एवं प्रखंड स्तर पर सोशल मीडिया केंद्र की स्थापना पर बल दिया। उन्होंने सभी कार्यकताओं के साथ चर्चा की और बूथ कमेटी मजबूत करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा बूथ कमेटी जितना ही मजबूत होगा उतना ही संगठन को मजबूती प्रदान होगी। मौके पर अधिवक्ता अरुण देव सहाय, डॉ दिनेश प्रसाद, कमलेश्वरी मंडल, गोपीचंद सितारा, केदार साह, मो एनुल, राजेश कुमार, सिद्धेश्वर नाथ विश्वकर्मा, राजन प्रसाद यादव, राजकुमार मंडल, ब्रह्मदेव चौरसिया, मेघन सिंह, अशोक गोस्वामी, सरिता देवी, मोनी कुमारी, आर के पूनम श्री, शिवलाल रजक, विनोद मंडल, विष्णु देव पासवान, भूपेंद्र नाथ सिंह, मो नौशाद आलम, महेश प्रसाद सिंह, अभय चंद्र यादव, निरंजन प्रसाद तिवारी, ओमप्रकाश साह, बिंदेश्वरी दास, दशरथ दास, मनोज कुमार शर्मा, चंद्रशेखर चौरसिया, राहुल कुमार रंजीत कुमार सिंह, राजकुमार रजक सहित सैकड़ो कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जयनगर पटना नमो भारत समेत चार नई ट्रेनें 24 से चलेंगी

मधुबनी की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखायेंगे

सहरसा से मुंबई अमृत भारत, सहरसा से पिपरा और समस्तीपुर के लिए भी नई ट्रेन

दिव्य दिनकर बिहार प्रभारी प्रभात कुमार मिश्रा

बिहार को 24 अप्रैल को चार नई ट्रेनों का तोहफा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को जयनगर मधुबन से पटना के बीच बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन और सहरसा से मुंबई तक अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को हरी झंडी दिखायेंगे इसके अलावा सहरसा से सुपौल होते हुए पिपरा के बीच नई पैसेंजर ट्रेन और सहरसा से खगड़िया, अलौली होते हुए समस्तीपुर के लिए मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन भी शुरू होगा। भारत ट्रेन मधुबनी, जयनगर, समस्तीपुर, बरौनी, मोकामा, बख्तियारपुर होते हुए पटना तक आएगी और जाएगी। बिहार की दूसरी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन सहरसा से समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, पाटलिपुत्र (पटना) दानापुर, डीडीयू, इटारसी, भुसावल के

रास्ते मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन तक चलेगी। रेलवे ने इसका टाइम टेबल भी घोषित कर दिया है। समस्तीपुर मंडल के डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री नवनिर्मित पिपरा-सुपौल रेलखंड का शुभारंभ भी करेंगे।

जदयू भाजपा सहित कई पार्टियों ने की भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा तोड़ने की घटना की घोर निंदा

रिपोर्ट- अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह प्रखंड में स्थित बाबा साहब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया हैं। सूचना मिलते ही बिडिओ राजेश कुमार दिनकर सीओ अजय कुमार सिंह व थानाध्यक्ष मो इरसाद ने घटना स्थल पर पहुंचकर छान बिन में जुट गये हैं।

इधर बाबा साहेब अम्बेकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

किए जाने की घटना को सभी पार्टियों ने घोर निंदा करते हुए करवाई की मांग की हैं। जदयू प्र-खंड अध्यक्ष कुंजन सिंह ने घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज में तनाव और अशांति पैदा करने के लिए

की जा रही हैं, जो कि पूरी तरह से अस्वीकार्य है। कुंजन सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का योगदान समाज के लिए अतुलनीय है और उनकी प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करना उनके योगदान का अपमान है। वही भारतीय जनता पार्टी के गोह मंडल अध्यक्ष और 20 सूत्री सदस्य राजीव कुमार विद्यार्थी ने कहा कि बाबा साहब का विचार जन-जन तक पहुंच गया है और ऐसे में इस तरह की घटनाएं समाज में तनाव पैदा करने के लिए की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गोह की जनता ऐसे तत्वों को कामयाब नहीं होने देगी। इस घटना की निंदा करने वालों में उमेश पासवान, गोह प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष और गोह मंडल भाजपा अध्यक्ष, भाजपा नेता सत्यपाल कुमार उर्फ भोला यादव, रणधीर पासवान, निर्मला देवी, रामजी पासवान, गजेंद्र भूषण पासवान, रंधीर पासवान और सैकड़ों अन्य लोग शामिल हैं। सभी ने एक स्वर में इस घटना की निंदा की है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर हुई पत्थरबाजी

झगड़ा देख रहे एक युवक को लगी गोली, बेहतर इलाज के लिए किया गया रेफर

दिव्य दिनकर प्रमंडल ब्यूरो पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। नया रामनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत भगीचक गांव में जमीनी विवाद को लेकर रविवार को दो पक्षों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। देखते ही देखते मामला इस कदर बढ़ गया कि दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी शुरू हो गई। मामला इतने में ही नहीं थमा। बात इस कदर बढ़ गई कि उत्तेजना में आकर एक पक्ष की ओर से गोलीबारी शुरू कर दी गई। गोलीबारी की इस घटना में झगड़ा देख रहे एक युवक को गोली सीने में जा लगी। गोली लगने के बाद घायल युवक कुंदन मंडल वहीं गिर पड़ा। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल कुंदन मंडल को सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां से

बेहतर इलाज के लिए उसे प्राइवेट अस्पताल में रेफर कर दिया गया। मामले को लेकर पीड़ित पक्ष की ओर से संजय गोस्वामी ने नया रामनगर थाना पुलिस को लिखित आवेदन देकर मारपीट एवं गोलीबारी की घटना की शिकायत की है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को बताया कि रविवार को जब उसके द्वारा अपने घर पर लगे टीन के चादर से निर्मित छप्पर की मरम्मत कराई जा रही थी। इसी बीच पड़ोस में रह रहे संतोष यादव, मुकेश यादव एवं रितेश यादव ने अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर अचानक हमला बोल दिया। इस दौरान आरोपियों के द्वारा जमकर पत्थरबाजी भी की गई। हमलावर इतने पर भी शांत नहीं हुए और देखते ही देखते गोली से फायरिंग भी शुरू कर दी। गोलीबारी की इस घटना में झगड़ा देख रहे भगीचक निवासी कुंदन मंडल के सीने में एक गोली जा लगी। जिसे इलाज के लिए स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल ले जाया गया। गोली सीने में फंसे होने के कारण घायल कुंदन मंडल को बेहतर इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं, पीड़ित पक्ष ने सभी आरोपियों पर लूटपाट का भी आरोप लगाया है। पीड़ित पक्ष की ओर से बताया जा रहा है कि उन लोगों के द्वारा पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया गया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो के बारे में दावा है कि यह उसी मारपीट की घटना का वीडियो है। बहरहाल, दिव्य दिनकर किसी भी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वैसे नया रामनगर थाना पुलिस मामले की छानबीन के साथ-साथ वायरल वीडियो की में सत्यता की जांच में जुट गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की तलाश जारी है।

पटना पुलिस में बड़ा फेरबदल: 120 सिपाहियों का तबादला, थानों में नई तैनाती

पटना: राजधानी में पुलिस महकमे में एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है। एसएसपी अवकाश कुमार के निर्देश पर लंबे समय से एक ही थाने, डीएसपी या एसडीपीओ कार्यालय में जमे 120 पुलिसकर्मियों का तबादला कर दिया गया है। इसमें सबसे अधिक संख्या में आर्म्स गार्ड और र-ीडर शामिल हैं। हाल ही में तीन थानों में थानेदारों के तबादले के बाद 402 एस-ाआई और एएसआई को एक थाने से दूसरे थाने में स्थानांतरित किया गया था। अब तबादले की यह लहर सिपाहियों तक पहुंच चुकी है। इस बार डीएसपी कार्यालयों और थानों में लंबे समय से जमे 39 रीडर्स की पहचान कर उन्हें अन्य सर्कल इंस्पेक्टर कार्यालयों और थानों में स्थानांतरित किया गया है। ये र-ीडर पहले बख्तियारपुर, दानापुर, डुमरा, हथीदह, मसौढ़ी और पुनपुन जैसे क्षेत्रों में तैनात थे। वहीं, 81 आर्म्स गार्ड को एक थाने से दूसरे थाने में भेजा गया है। सूत्रों की मानें तो अगली सूची में थानों के चालकों और अन्य सिपाहियों को भी ट्रांसफर किया जा सकता है।

नए थानेदारों की तैनाती

पुलिस महकमे में यह बदलाव यहीं नहीं रुका। दीघा, बाढ़ और बेउर थानों में नए थानेदार तैनात किए गए हैं। ब्रजकिशोर सिंह, जो पहले दीघा थाने में तैनात थे, अब बाढ़ थाने की कमान संभालेंगे। संतोष कुमार सिंह, जो बाढ़ और मोकामा थानों की कांड समीक्षा में लगे थे, को दीघा थाना सौंपा गया है। अमरेंद्र कुमार साह, जो दानापुर कोर्ट अभियोजन एवं सुरक्षा के पदाधिकारी थे, अब बेउर थाना का जिम्मा संभालेंगे। एसएसपी के इस निर्णय को पुलिसिंग में सुधार और पारदर्शिता की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

सबौर में ऐतिहासिक होगा आसा पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन : हंसल सिंह

दिव्या दिनकर संवाददाता

भागलपुर। आगामी 25 अप्रैल को भागलपुर जिला के सबौर प्रखंड में संपन्न हो रहे आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर पार्टी के नेताओं के द्वारा तैयारी जोर शोर से की जा रही है। एक तरफ जहां पार्टी के नेताओं के द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाकर कार्यकताओं को उत्साहित किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ पार्टी के नेता आम जनता के बीच पहुंचकर आमंत्रण पत्र वितरित करते हुए लोगों को अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचने की अपील कर रहे हैं। आप सब की आवाज राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह कहलगांव विधानसभा प्रभारी प्रसेनजीत सिंह उर्फ हंसल सिंह के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं ने शनिवार को कहलगांव विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। हंसल सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के रूप में जनता के बीच लोकप्रिय बनाने के पीछे मुख्यमंत्री के तत्कालीन निजी सलाहकार के रूप में रामचंद्र प्रसाद सिंह ने अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई। आरसीपी सिंह के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व में बिहार को विकास के पटरी पर लाने का प्रयास किया गया। एक बार फिर बिहार विकास की पटरी से उतर चुका है। ऐसे में बिहार को फिर से आरसीपी सिंह के नेतृत्व में विकसित बिहार के रूप में परिवर्तित करने के लिए आसा पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का गठन करना होगा। तभी बिहार की आम जनता का सपना साकार होगा।हंसल सिंह ने लोगों से कार्यकर्ता सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि हमारे नेता को

सुनने आप लोग आईए। आने वाले समय में आरसीपी सिंह के नेतृत्व में सरकार के गठन के बाद बिहार कैसा होगा, उनसे आपको सुनने एवं समझने का मौका मिलेगा। और 2025 में विकसित बिहार बनाने के लिए इस कार्यकर्ता सम्मेलन में आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बताते चलें कि आगामी 25 अप्रैल को आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह का सबौर आगमन हो रहा है। जहां वह कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से आम जनता तथा पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। इस दौरान हंसल सिंह ने सबौर में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए आम जनता के बीच आमंत्रण पत्र बांटकर उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया। मौके पर वीरेंद्र कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, जयप्रकाश सिंह, अजय पंडित, संजीव कुमार पासवान, विभाष कुमार सिंह, युवा नेता चिराग सिंह, सुनील कुमार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सबौर में ऐतिहासिक होगा आसा पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन : हंसल सिंह

दिव्या दिनकर संवाददाता

भागलपुर। आगामी 25 अप्रैल को भागलपुर जिला के सबौर प्रखंड में संपन्न हो रहे आप सबकी आवाज राष्ट्रीय पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी को लेकर पार्टी के नेताओं के द्वारा तैयारी जोर शोर से की जा रही है। एक तरफ जहां पार्टी के नेताओं के द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाकर कार्यकताओं को उत्साहित किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ पार्टी के नेता आम जनता के बीच पहुंचकर आमंत्रण पत्र वितरित करते हुए लोगों को अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचने की अपील कर रहे हैं। आप सब की आवाज राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह कहलगांव विधानसभा प्रभारी प्रसेनजीत सिंह उर्फ हंसल सिंह के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं ने शनिवार को कहलगांव विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। हंसल सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के रूप में जनता के बीच लोकप्रिय बनाने के पीछे मुख्यमंत्री के तत्कालीन निजी सलाहकार के रूप में रामचंद्र प्रसाद सिंह ने अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई। आरसीपी सिंह के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व में बिहार को विकास के पटरी पर लाने का प्रयास किया गया। एक बार फिर बिहार विकास की पटरी से उतर चुका है। ऐसे में बिहार को फिर से आरसीपी सिंह के नेतृत्व में विकसित बिहार के रूप में परिवर्तित करने के लिए आसा पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का गठन करना होगा। तभी बिहार की आम जनता का सपना साकार होगा।हंसल सिंह ने लोगों से कार्यकर्ता सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि हमारे नेता को सुनने आप लोग आईए। आने वाले समय में

आरसीपी सिंह के नेतृत्व में सरकार के गठन के बाद बिहार कैसा होगा, उनसे आपको सुनने एवं समझने का मौका मिलेगा। और 2025 में विकसित बिहार बनाने के लिए इस कार्यकर्ता सम्मेलन में आप लोगों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बताते चलें कि आगामी 25 अप्रैल को आसा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद सिंह का सबौर आगमन हो रहा है। जहां वह कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से आम जनता तथा पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित करेंगे। इस दौरान हंसल सिंह ने सबौर में आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने के लिए आम जनता के बीच आमंत्रण पत्र बांटकर उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया। मौके पर वीरेंद्र कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, जयप्रकाश सिंह, अजय पंडित, संजीव कुमार पास-ावान, विभाष कुमार सिंह, युवा नेता चिराग सिंह, सुनील कुमार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारत सरकार के विकास एवं पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मदनपुर प्रखंड के चार पंचायतों के मुखियागण को सात दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद में उपस्थित हुए

इस सात दिवसीय प्रशिक्षण में लिए चेई नवादा मुखिया विकास कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह ने भारत सरकार के प्रति आभार जताया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- भारत सरकार के विकास एवं पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मदनपुर प्रखंड के चार पंचायतों के मुखिया गण को सात दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद में उपस्थित हुए , इस सात दिवसीय प्रशिक्षण में लिए चेई नवादा मुखिया विकास कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह ने भारत सरकार के प्रति आभार जताया। बताते चलें कि इस प्रशिक्षण बैठक में हैदराबाद के ग्रामीण इलाकों का परिभ्रमण भी कर रहे मुखिया और नई मॉडल की विकास कार्य का संदेश प्राप्त कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास एवं पंचायती राज संस्थान, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा मदनपुर प्रखंड के चार पंचायतों के मुखिया का सात दिवसीय प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया था। चयनित मुखियाओं में चेई नवादा पंचायत के मुखिया विकास कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह, घटराईन पंचायत के मुखिया संजय यादव, वार पंचायत के मुखिया शिवपूजन राम एवं मदनपुर पंचायत के मुखिया हमीद अख्तर शामिल हैं। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज योजना के तहत बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान बिपार्ड द्वारा 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक प्रशिक्षण कार्यक्रम हैं। प्रशिक्षण को

लेकर मुखिया लोगों को स्पोजर,इस प्रशिक्षण बैठक में आंध्रप्रदेश के जिला नन्दयाल हैदराबाद के प्रखंड पन्नयाल के पंचायत कौलुनूरु ले जाया गया, जहां पंचायत में किए जा रहे सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन एवं विकास कार्यों का अवलोकन कराया गया ताकि वे लोग यहां आकर विकास योजना का सही रूप में कार्यान्वित कर सकें। मुखिया को वहां के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। चेईनवादा पंचायत के मुखिया बब्लू सिंह एवं घटराईन पंचायत के मुखिया संजय यादव ने बताया कि हैदराबाद के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करने का अवसर मिला। इस दौरान वहां किस तरह सरकारी योजनाओं का धरातलीय क्रियान्वयन हो रहा है। सीखने और समझने का मौका मिला। प्रशिक्षण से एक नई सोच एवं उर्जा मिलता है।

सुलह मानवीय मूल्यों की रक्षा है

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष प्रधान जिला जज राजकुमार वन और प्रभारी सचिव न्यायधीश दिवान फहद खां के निदेश पर पंचायत भवन बरियावा माली में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता पैनल अधिवक्ता नंदकेश्वर साव और संचालन पारा विधिक स्वयं सेवक राजकुमार पासवान ने किया, पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सर्वप्रथम उपस्थित ग्रामीणो 10 मई को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी दी गई तत्पश्चात वाणिज्यिक न्यायालय में वाणिज्यिक विवाद के मध्यस्थों के माध्यम से निपटन तथा ए. डी .आर प्रणाली के द्वारा मध्यस्थता विषय पर विधिक जागरूकता फैलाई गई तथा विधिक सहायता के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई इस अवसर पर उपस्थित थे विजय प्रताप सिंह मुखिया प्रतिनिधि, उदय कुमार सिंह पंचायत समिति,शिमेंन्द्र, अम्बीकर कुमारी, श्रवण, दिलीप,मो इस्लाम, बिजली पासवान,राजू सहित अन्य उपस्थित थे अधिवक्ता ने आगे बताया कि 27/04/25 को समुदायिक भवन बर्तवा जम्होर में पैनल अधिवक्ता राकेश रंजन और पारा विधिक स्वयं सेवक सुरेन्द्र प्रसाद द्वारा विषय बच्चों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं से सम्बंधित नालसा योजना 2024 पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा।

24 अप्रैल को सिलीगुड़ी आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी

सिलीगुड़ी। आगामी सप्ताह 24 और 25 अप्रैल को फांसीदेवा स्थित संतोषिनी हाई स्कूल मैदान में अंतरराष्ट्रीय संथाल परिषद का नौवां सम्मेलन होने जा रहा है। उक्त सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल और सिक्किम के मुख्यमंत्री को भी आमंत्रित किया गया है।दो दिवसीय इस सम्मेलन में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वदेशी लोगों की परंपराओं और संस्कृति पर प्रकाश डाला जाएगा। यह आयोजन लगभग आठ भागों में आयोजित किया जाएगा। उद्यमियों का मानना है कि अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति से इस आयोजन में नया आयाम जुड़ेगा।

दिल्ली की अदालत ने मकोका मामले में नरेश बाल्यान समेत सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत बढ़ायी

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान और अन्य छह आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। ड्यूटी जज जितेंद्र सिंह ने जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बाल्यान, रितिक उर्फ पीटर, रोहित उर्फ अन्ना, सचिन चिकारा, साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू और ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा की पेशी के बाद उन सभी की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी।सरकारी वकील वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये और जांच अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) नरेश अदालत के समक्ष पेश हुए और साहिल उर्फ पोली तथा विजय उर्फ कालू की न्यायिक हिरासत चार दिन बढ़ाने की मांग की। अदालत ने अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। पुलिस ने गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से चलाये जा रहे संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ मामला दर्ज किया है और पुलिस हिरासत के दौरान चार अप्रैल को मकोका के प्रावधानों के तहत गैंगस्टर नंदू के सगे भाई ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा का बयान दर्ज किया। इस मामले में अदालत ने एक मार्च को दिल्ली पुलिस को बालियान के खिलाफ जांच पूरी करने के लिए 60 दिन का और समय दिया था, जिसे चार दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

कपिल मिश्रा, क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने मुस्तफाबाद क्षेत्र में घटनास्थल का किया दौरा

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा तथा श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद क्षेत्र का दौरा किया, जहां क चार मंजिला इमारत भरभराकर ढहने से छह लोगों की मौत हो गयी और 20 से अधिक घायल हो गये है, जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बनी है।श्री मिश्रा के साथ दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट भी उनके साथ मौजूद रहे। श्री मिश्रा ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत हृदयविदारक बताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार पीड़ितों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

ममता सरकार के तुष्टिकरण से बंगाल में हिंसा तो कर्नाटक में जनेऊ पर अपमान, चिंता का कारण : विनोद बंसल

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा के लिए प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। रविवार को समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हो रही हिंसा को सरकार की शह प्राप्त है। ममता बनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति राज्य के अस्थिर हालात के लिए जिम्मेदार है। विनोद बंसल ने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। राज्य में हिंसा की आग प्रशासन की मदद से भड़की हुई है और मुख्यमंत्री शांति की अपील भी सिर्फ मुसलमानों से कर रही हैं। हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर उनका रवैया पूरी तरह उदासीन है। ममता सरकार जिहादी तत्वों को उकसाने और बढ़ावा देने का काम कर रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने से ममता इनकार करती हैं। यह साफ दर्शाता है कि मुख्यमंत्री जिहादी तुष्टिकरण की नीति में आकंठ डूबी हुई हैं और राज्य को बांग्लादेश बनाने का षड्यंत्र चल रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा है संस्कृति का नवोदय - स्वामी अवधेशानंद गिरि

एजेंसी

नई दिल्ली। जूना अखाड़े के प्रमुख आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में भारत की संस्कृति का नवोदय हुआ है। भारत का सनातन हिन्दू समाज इस समय जिस गौरव की अनुभूति कर रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संस्कृति पर विचारों और भाषणों का संकलन 'संस्कृति का पांचवा अध्याय' पुस्तक के विमोचन के मौके पर अवधेशानंद गिरी संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व धरोहर दिवस के मौके पर इस किताब का विमोचन किया जा रहा है। यह अपने आप में विशिष्ट बात है। साल 2014 के बाद सर्वत्र नई दिशाएं, नवाचार देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर भारत के सबसे बड़े जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वे 2008 में जब पुर्तगाल में थे तो पहली बार एक योगी ने

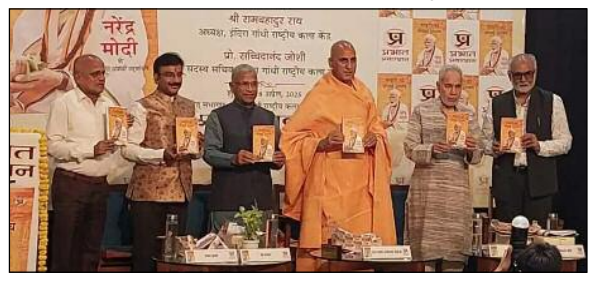

योग दिवस की कल्पना और चर्चा की थी और 21 जून को इसे मनाने का विचार साझा किया था। तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। यह योग दिवस की कल्पना भी तब साकार हो पाई जब वे प्रधानमंत्री बने। अन्नपूर्णा देवी की प्रतिमा हो या अन्य श्रेष्ठ भारतीय धरोहर, वे सब भारत लौट रहीं हैं और उन पर हमें यदि गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय भी प्रधानमंत्री मोदी की ही जाता है। यहां तक कि 2014 से पहले मेरे ही अनेक निकट प्रेमी मुझसे कहते थे कि आप हिन्दू संस्कृति की बात न कहकर सनातन संस्कृति या भारतीय संस्कृति शब्द प्रयोग किया करें। आज परिस्थिति बदल गई है और लोग गर्व के साथ अपनी हिन्दू संस्कृति और उसकी पहचान और धरोहर पर गर्व करते हुए दिखाई देते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की झूठी स्तुति या अतिरेक सम्मान की बात नहीं है, बल्कि संस्कृति के एक उपासक के तौर पर उन्होंने जो कार्य किया है, उसको इस पुस्तक के माध्यम से भी समझा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि 'संस्कृति का पांचवां अध्याय' पुस्तक भारत के सांस्कृतिक इतिहास व वर्तमान के बीच कड़ी की तरह है। इस पुस्तक में प्रधानमंत्री मोदी के भारतीय संस्कृति पर केंद्रित 34 भाषण हैं। हरिवंश ने कहा कि 2014 के बाद से भारत में सर्वत्र जो बदलाव देखा जा रहा है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। याद कीजिए कि किसी ने भी 2014 से पहले विकसित भारत की बात तक की हो। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस विकसित भारत का सपना न केवल जन-जन की आंखों में उतार दिया है बल्कि 2047 तक उस लक्ष्य को पाने का एक खाका भी खींच दिया है।

निशिकांत दुबे के बयान से भाजपा ने किया किनारा, जेपी नड्डा बोले- पार्टी ऐसे बयानों का समर्थन नहीं करती

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा न्याय पालिका और देश के मुख्य न्यायाधीश को लेकर दिए गए विवादास्पद बयानों से स्पष्ट रूप से दूरी बना ली है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट जारी कर कहा कि ये दोनों बयान व्यक्तिगत हैं। भाजपा का उनसे कोई संबंध नहीं है और पार्टी ऐसे बयानों का समर्थन नहीं करती है। जेपी नड्डा ने कहा, 'भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा के न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान पूरी तरह से व्यक्तिगत हैं। भारतीय जनता पार्टी न तो इन बयानों से सहमति रखती है और न ही ऐसे किसी भी बयान का समर्थन करती है। पार्टी इन बयानों को स्पष्ट रूप से खारिज करती है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और अदालतों के आदेशों एवं सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है। नड्डा ने कहा कि देश की अदालतें, विशेषकर सर्वोच्च न्यायालय, लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं और संविधान की रक्षा का

आधार हैं। भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने दोनों सांसदों को निर्देशित किया है कि भविष्य में इस प्रकार के बयान न दें। साथ ही उन्होंने सभी पार्टी नेताओं को भी ऐसे बयानों से बचने की सलाह दी है। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है।

एआईसीसी की बैठक में खरगे बोले- नेशनल हेराल्ड और वक्फ पर देश को सच्चाई से रूबरू कराएं

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में एआईसीसी के महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों और विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के अध्यक्षों की यहां एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित बैठक में खरगे ने नेशनल हेराल्ड और वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर देश भर में लोगों को सच्चाई और कांग्रेस के रुख के बारे में अवगत कराने का आह्वान किया। उन्होंने देश के अन्य ज्वलंत मुद्दों को भी लगातार उठाते रहने का आग्रह किया। खरगे ने अपने शुरुआती सम्बोधन में 8-9 अप्रैल को अहमदाबाद में हुए एआईसीसी के सत्र की सफलता के लिए पार्टी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वहां पारित प्रस्तावों को आप सभी को जिला, मंडल, ब्लाक और बूथ तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने गुजरात में जिलाध्यक्षों के चुनाव को लेकर बैठक की और पर्यवेक्षकों से जिलाध्यक्षों के चयन के बारे में विचार-विमर्श किया। नेशनल हेराल्ड की दिल्ली, लखनऊ और मुंबई की सम्पत्तियों को अटैच किए

जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने ईडी की चार्जशीट में सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम शामिल किए जाने को षड्यंत्र करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि अहमदाबाद में एआईसीसी के अधिवेशन के तत्काल बाद ही ईडी ने ये जो कार्रवाई की, उसका मकसद साफ है। रायपुर में कांग्रेस महाधिवेशन हुआ था तो उस समय भी वहां उसे विफल करने के लिए हमारे नेताओं के ऊपर ईडी और सीबीआई को लगा कर रेड कराई गई। खरगे ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के इशारे पर लोकसभा चुनाव के पहले हमारे खाते बंद कराए गए। इसके बावजूद देश की जनता ने सच्चाई समझी और लोकसभा में हमारी संख्या पहले से दो गुनी हो गई। सरकार के वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ कांग्रेस ने पूरे विपक्ष को एकजुट किया और बिल का विरोध किया।

दिल्ली मकान हादसा: मुख्यमंत्री ने मृतकों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की, दोषियों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में एक चार मंजिला इमारत ढहने के दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्रीमती गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, मुस्तफ़ाबाद में इमारत गिरने की दर्दनाक घटना से मन अत्यंत व्यथित है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राहत एवं बचाव कार्यों में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) और अन्य एजेंसियां जुटी हुई। सभी घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की गई है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर मृतकों और घायल के बारे जानकारी दी है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस के बयान के मुताबिक, 19 अप्रैल 2025 को लगभग 3:02 बजे गली नंबर 1, शक्ति विहार में एक इमारत के ढहने की सूचना पुलिस स्टेशन दयालपुर को मिली। घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि तहसीन, पुत्र यासीन की चार मंजिला इमारत ढह गई थी, जिसमें कथित तौर पर 22 लोग फंसे हुए थे।' बयान में आगे कहा गया है, 'एनडीआरएफ, डीएफएस और एम्बुलेंस सेवाओं को तुरंत बुलाया गया और बचाव अभियान शुरू किया गया। अब तक 14 लोगों को बचाया गया है और उन्हें जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है, जहाँ उनमें से चार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।÷

उत्तर-पूर्वी जिला की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मृतकों

में चांदनी (23), रेशमा (38), दानिश (23) और नवेद (17) शामिल हैं। घायलों में 25 माह की चांद, चार माह का शान, दो माह की सान्या, 45 माह का शाहिद, 38 माह की रेहाना,19 माह की नेहा, 45 माह का अहमद, बीस माह के अल्फेज के अलावा 17 वर्षीय आलिया, 15 वर्षीय तनु और 58 वर्षीय जीनत शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ लेंगे रणनीतिक परिषद की दूसरी बैठक में भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय सऊदी अरब यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ क्षेत्रीय और विश्व मामलों पर विचार-विमर्श करेंगे। दोनों नेता भारत-सऊदी अरब की रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक में भाग लेंगे। परिषद की पहली बैठक क्राउन प्रिंस की 2023 में हुई यात्रा के दौरान हुई थी।प्रधानमंत्री मोदी और क्राउन प्रिंस के बीच इजराइल-फिलिस्तीन से जुड़ी पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचार-विमर्श होगा तथा लाल सागर में नौवहन सुरक्षा पर खतरे पर भी

चर्चा होगी। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कुछ करार होने की भी संभावना है।प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच रक्षा संपर्क का विस्तार हुआ है तथा स्थल और नौसेना के संयुक्त अभ्यास हुए हैं। उन्होंने कहा कि लाल सागर में हुती विद्रोहियों के हमलों से नौवहन को उत्पन्न खतरे को लेकर भारत चिंतित है। लाल सागर रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है। भारत और पश्चिम एशिया के बीच प्रस्तावित आईएमईसी (भारत-पश्चिम एशिया परिवहन कोरिडोर) के बारे में पूछे गए एक सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया के घटनाक्रम से इसपर असर पड़ा है लेकिन संबंधित देश इस परियोजना पर विचार-विमर्श करते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में जी20 शिखरवार्ता के इतर आईएमईसी परियोजना की घोषणा की गई थी। भारत, सऊदी अरब, यूएई और इजरायल को इसमें शामिल होना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी ईस्टर पर शुभकामनाऐं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को ईस्टर पर्व पर शुभकामनाऐं देते हुये कहा कि यह ईस्टर इसलिए खास है क्योंकि दुनिया भर में जयंती वर्ष को बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर हर व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की भावना जगाए। चारों ओर खुशी और सद्भाव हो। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स'पर एक पोस्ट में कहा, सभी को ईस्टर की हार्दिक शुभकामनाएं। यह ईस्टर इसलिए खास है क्योंकि दुनिया भर में जयंती वर्ष को बहुत उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र अवसर हर व्यक्ति में आशा, नवीनीकरण और करुणा की भावना जगाए। चारों ओर खुशी और सद्भाव हो। ईस्टर एक ईसाई त्योहार है जो ईसा मसीह के पुनरुत्थान का प्रतीक है। कई ईसाइयों के लिए ईस्टर मृत्यु पर जीवन की विजय का उत्सव है।

कांग्रेस 25 अप्रैल से 30 मई के बीच देश भर में रैलियां कर देगी गुजरात अधिवेशन का संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस 25 अप्रैल से 30 मई के दौरान अलग-अलग चरणों में देश भर में रैलियां करेगी। इन रैलियों का आयोजन 25 से 17 मई तक राज्य स्तर, विधानसभा स्तर और जिला स्तर पर किया जाएगा और आखिरी चरण में 20 से 30 मई के दौरान घर-घर सम्पर्क किया जाएगा। यह निर्णय यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में एआईसीसी महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों और विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक में किया गया।कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इन निर्णयों की पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि 09 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित एआईसीसी अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर पार्टी आगे बढ़ेगी। अहमदाबाद सत्र में न्याय पत्र, सम्पर्क, समर्थन और संघर्ष प्रस्ताव अपनाया गया था। उसी क्रम में 15 और 16 को राहुल गांधी गुजरात गए और उन्होंने बेलगावी अधिवेशन में पारित प्रस्ताव संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की। वहां 31 मई तक नए अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी। गुजरात के बाद अन्य राज्यों

में भी डीसीसी केंद्रित संगठन सृजन अभियान चलाया जाएगा। जयराम रमेश ने बताया कि आज बैठक में तय किया गया कि देश भर में पार्टी 25 से 30 अप्रैल तक राज्य स्तर पर, 03 से 10 मई तक जिला स्तर पर, 11 से 17 मई तक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर संविधान बचाओ रैलियां करेगी। 20 से 30 मई तक घर-घर संविधान बचाओ सम्पर्क किया जाएगा। इस तरह 25 अप्रैल से 30 मई तक अहमदाबाद अधिवेशन के सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रस्तावों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश के संविधान पर आक्रमण हो रहा है, न्याय और कानून के बहाने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ईडी जैसी संस्था का दुरुपयोग किया जा रहा है, इस मुद्दे को लेकर 21 और 24 अप्रैल के दौरान विभिन्न राज्यों और जिलों में कांग्रेस प्रेस कान्फ्रेंस करेगी और सच्चाई से देशवासियों को रूबरू कराएगी। अहमदाबाद अधिवेशन में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय हमारी प्रमुख मांगें रहीं। केंद्र सरकार से हमारी ये मांगें जातिगत जनगणना, 2006 में संविधान में शामिल अनुच्छेद 15 (5) में एससी, एसटी और ओबीसी को प्रदत्त निजी शैक्षणिक संस्थाओं में आरक्षण लागू करने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीलिंग सीमा को संविधान संशोधन के जरिये हटाने की हैं।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने मुस्तफाबाद हादसे पर दुख जताया, मुआवजे की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के मुस्तफाबाद में 4 मंजिला इमारत के गिरने से हुई जनहानि पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने हताहतों से जुड़े मुआवजे की भी घोषणा की है।

राष्ट्रपति ने कहा कि दिल्ली के मुस्तफाबाद में एक इमारत गिरने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में बच्चों और महिलाओं समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति वे गहन संवेदना व्यक्त करती हैं। वे घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हैं। वहीं प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में इमारत ढहने से हुई मौतों से दुखी हैं। वे घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

ईवीएम पर आरोप लगाने वाला पुलिसकर्मी नहीं था चुनाव ड्यूटी पर: चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पुलिसकर्मी के खिलाफ महाराष्ट्र में एफआईआर दर्ज की गई है। चुनाव आयोग की जांच में सामने आया था कि पुलिसकर्मी महाराष्ट्र में चुनावों के दौरान चुनावी ड्यूटी पर नहीं था। आयोग का कहना है कि पुलिसकर्मी पहले से निलंबित और नाराज चल रहा है। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के बीड में सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले का एक वीडियो साझा किया। 17 अप्रैल को कासले ने आरोप लगाया था कि चुनावों के दौरान उनके सामने ईवीएम से छेड़छाड़ की गई और उसे मुंह बंद रखने के लिए 10 लाख रुपये भी दिए गए। वीडियो को आधार बनाते हुए कांग्रेस ने आरोप लगाया कि जांच के बजाय उल्टा पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पार्टी ने कहा कि ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर लगातार इस तरह की बातें सामने आती रहती हैं और हर बार चुनाव आयोग इससे पल्ला झाड़ लेता है। निष्पक्ष चुनाव के लिए ऐसी बातों की जांच होना बेहद जरूरी है।

आयोग ने इस पर जांच संबंधित विषयों को आगे रखते हुए बयान दिया है। आयोग ने कहा कि पुलिसकर्मी नाराज चल रहा था और वे पहले से निलंबित है। ईवीएम से जुड़े सख्त दिशा-निर्देशों के बीच छेड़छाड़ संभव नही है। फिर भी आयोग ने सीईओ के माध्यम से जांच कराई है। बीड के जिला निर्वाचन अधिकारी और एसएसपी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि आरोप लगाने वाला पुलिसकर्मी चुनावी ड्यूटी पर नहीं था। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीईओ ने मामले में एफआईआर दर्ज करायी है। बयान का उद्देश्य लोगों में अविश्वास पैदा करना था।

सेना ने लद्दाख में मोबाइल कनेक्टिविटी शुरू की, सीमावर्ती गांवों को भी सशक्त बनाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने एक बड़ा कदम उठाते हुए लद्दाख के सुदूर और अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अभूतपूर्व मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान की है जिसमें पूर्वी और पश्चिमी लद्दाख तथा सियाचिन ग्लेशियर के अग्रिम क्षेत्र भी शामिल हैं। सेना ने बताया कि दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों जैसे दौलत बेग ओल्डी, गलवान, डेमचोक, चुमार, बटालिक, द्रास और सियाचिन ग्लेशियर में तैनात सैनिकों को पहली बार अब विश्वसनीय 4 जी और 5 जी मोबाइल कनेक्टिविटी तक पहुंच मिली है। यह पहल सर्दियों में 18,000 फुट से अधिक ऊंचाई पर बिलकुल अलग-थलग चौकियों में तैनात सैनिकों के लिए एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित हुई है, जिससे उन्हें अपने परिवार और प्रियजनों के साथ जुड़े रहने में मदद मिली है। यह महत्वपूर्ण प्रयास संपूर्ण सरकारी ढांचे के तहत एक सहयोगी दृष्टिकोण के माध्यम से संभव हुआ है, जिसमें भारतीय सेना ने अपने मजबूत ऑप्टिकल फाइबर केबल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के साथ साझेदारी की है। फायर एंड फ्यूरी कोर ने इस तालमेल को सक्षम करने में अग्रणी भूमिका निभाई है, जिसके परिणामस्वरूप सेना के बुनियादी ढांचे पर कई मोबाइल टावर लगाए गए हैं, जिनमें अकेले लद्दाख और कारगिल जिलों में चार प्रमुख टावर शामिल हैं। इस पहल का प्रभाव सैन्य कल्याण से कहीं आगे तक फैला हुआ है, यह एक महत्वपूर्ण राष्ट्र निर्माण प्रयास के रूप में उभर रहा है जो दूरदराज के सीमावर्ती गांवों के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को बदल रहा है। 'फर्स्ट विलेज' को राष्ट्रीय डिजिटल नेटवर्क से जोड़कर, यह डिजिटल डिवाइड को पाटने, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने, सीमा पर्यटन को बढ़ावा देने, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं को बढ़ाने, शैक्षिक पहुंच को सक्षम करने, स्थानीय वाणिज्य को मजबूत करने में योगदान दे रहा है। इससे सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण होगा और सीमावर्ती गांवों से पलायन रूकेगा।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्?त चौथी तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये रहा है। बैंक ने एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है।

शेयर बाजार को दी गई जानकारी में एचडीएफसी बैंक ने बताया कि 31 मार्च, 2025 को समाप्?त चौथी तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित?त वर्ष 2023-24 की सामान तिमाही में बैंक का मुनाफा 16,512 करोड़ रुपये रहा था। बैंक के मुताबिक जनवरी-मार्च तिमाही में

उसकी कुल आमदनी 89,488 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 89,639 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की ब्याज से आमदनी वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 77,460 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 71,473 करोड़ रुपये थी। एचडीएफसी बैंक के निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष 202-25 के लिए एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी मार्च, 2025 के अंत तक सकल ऋण के 1.33 फीसदी तक बढ़ गई, जो एक साल पहले 1.24 फीसदी थीं। इसी तरह शुद्ध एनपीए यानी खराब ऋण पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के अंत में 0.33 फीसदी से बढ़कर 0.43 फीसदी हो गए। इसके अलावा एकीकृत आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च तिमाही में 6.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 18,835 करोड़ रुपये रहा है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में यह 17,622 करोड़ रुपये था।

एलन मस्क इस साल के अंत में भारत आएंगे, प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद शेयर किया पोस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। टेस्ला इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क इस साल के अंत में भारत दौरे पर आएंगे। मस्क का जवाब देते हुए यह बात लिखी है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एलन मस्क से बातचीत के बाद अपने एक्स पोस्ट अकाउंट पर लिखा था, 'एलन मस्क से बातचीत की और विभिन्न

ने घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के एक दिन बाद की है। एलन मस्क ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि पीएम मोदी के साथ बात करना सम्मान की बात थी। मैं इस साल के अंत तक भारत आने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। एलन मस्क ने अपने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स पर शेयर की गई पोस्ट मुद्दों के बारे में चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय शामिल थे। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार क्षमता पर चर्चा की। भारत इन डोमेन में अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईटीसी ने मदर स्पर्श में किया 81 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। रोजमर्रा की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख एफएमसीजी कंपनी आईटीसी लिमिटेड ने शिशु देखभाल ब्रांड मदर स्पर्श में अपनी हिस्सेदारी 26.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 49.3 प्रतिशत करने के लिए लगभग 81 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो चरणों में प्राथमिक सदस्यता और द्वितीयक खरीद के माध्यम से किया जाएगा, जिसे वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही तक पूरा कर लिया जाएगा। इस रणनीतिक निवेश के साथ आईटीसी का मदर स्पर्श में कुल निवेश बढ़कर करीब 126 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी ने यह भी संकेत दिया है कि वह आगामी दो से तीन वर्षों में पूर्व निर्धारित मूल्यांकन और शर्तों के आधार पर शेष हिस्सेदारी भी अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। आईटीसी के पर्सनल केयर कारोबार के डिविजनल चीफ एग्जीक्यूटिव समीर सत्पथी ने कहा, यह अधिग्रहण एक भविष्य के लिए तैयार, नवोन्मेषी और उपभोक्ता-केंद्रित उत्पाद पोर्टफोलियो बनाने की हमारी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। मदर स्पर्श के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिमांशु गांधी ने आईटीसी के निरंतर समर्थन को सराहा और कहा, आईटीसी के अनुभव और संसाधनों के साथ मदर स्पर्श अब अगली पीढ़ी की माताओं की जरूरतों को और बेहतर तरीके से पूरा कर सकेगा। यह अधिग्रहण आईटीसी की आईटीसी नेक्स्ट रणनीति के अनुरूप है, जो भविष्योन्मुख उत्पाद नवाचार, ब्रांड विस्तार और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.17 प्रतिशत उबलकर 64.45 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

डीजीटीआर ने मार्च में 13 डंपिंग रोधी मामलों में अंतिम निष्कर्ष जारी किए

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने मार्च में 13 डंपिंग रोधी मामलों में अंतिम निष्कर्ष जारी किए हैं, जिनमें से अधिकतर चीन के खिलाफ हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने मार्च में 11 जांच भी शुरू की हैं। डीजीटीआर ने विटामिन-ए पामिटेट, अघुलनशील सल्फर, एल्युमीनियम फॉयल, प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीन, डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट और सजावटी कागज जैसे उत्पादों की डंपिंग के खिलाफ अंतिम निष्कर्ष जारी किए। इन 13 मामलों में 12 चीन के खिलाफ हैं। इन जांचों में शामिल अन्य देशों में यूरोपीय संघ, जापान, ताइवान, रूस और थाईलैंड शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय के तहत डीजीटीआर डंपिंग रोधी, प्रतिकारी शुल्क और सुरक्षा उपायों सहित सभी व्यापार उपचारात्मक उपायों को लागू करने वाला सर्वोच्च प्राधिकरण है। अमेरिका और चीन के एक-दूसरे पर जवाबी शुल्क लगाने से निदेशालय की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि उच्च आयात शुल्क दोनों देशों में वस्तुओं को अधिक महंगा बना रहे हैं। ऐसे में भारत जैसे देशों में माल खपाने की कोशिश होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता 23 अप्रैल से

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारी प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए 23 अप्रैल से वाशिंगटन में तीन दिवसीय वार्ता करेंगे। इस बातचीत में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाओं और सीमा शुल्क सुविधा से जुड़े 19 अध्यायों पर चर्चा होगी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। भारतीय अधिकारियों का दल अमेरिका में आधिकारिक दल 90-दिवसीय टैरिफ विराम अवधि में वार्ता को और गति देने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करेगी। इससे पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए इन पर मंथन होगा। भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहली आमने-सामने की वार्ता के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगला वाणिज्य सचिव नियुक्त किया गया था। वे 1 अक्तूबर से पदभार ग्रहण करेंगे। अधिकारी ने कहा, दोनों पक्ष महत्वाकांक्षा के स्तर पर चर्चा करेंगे। कार्य-दर-नियमों को आगे विकसित किया जाएगा और उन पर चर्चा की जाएगी। वार्ता का मार्ग क्या होगा? कार्य-दर-नियमों में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाएं, उत्पत्ति के नियम, माल, सेवाएं, सीमा शुल्क सुविधा तथा विनियामक मुद्दे जैसे मुद्दे शामिल होंगे।

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के संदर्भ में शामिल हैं 19 अध्याय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए दोनों देशों द्वारा अंतिम रूप दिए गए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) में करीब 19 अध्याय शामिल हैं। इनमें माल, सेवाओं और सीमा शुल्क की सुविधा जैसे मुद्दों को शमिल किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वार्ता को और अधिक गति देने के लिए भारत की एक आधिकारिक टीम अगले हफ्ते वाशिंगटन का दौरा कर रही है, ताकि प्रस्तावित भारत-अमेरिकी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने से पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर किया जा सके।

भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहले व्यक्ति की बातचीत के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। राजेश अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगले वाणिज्य सचिव के रूप में नियुक्त

किया गया था। वह 1 अक्टूबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। जानकारी के मुताबिक वाशिंगटन में अमेरिकी समकक्षों के साथ तीन दिवसीय भारतीय आधिकारिक टीम की बातचीत बुधवार, 23 अप्रैल से शुरू होगी। यह यात्रा एक उच्चस्तरीय अमेरिकी टीम के भारत दौरे के कुछ ही सप्ताह के भीतर हो रही है। उल्लेखनीय है कि दोनों पक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नए टैरिफ पर 09 अप्रैल को घोषित 90 दिनों की रोक का उपयोग करना चाहते हैं।

जिंसों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर आवक और उठाव बराबर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिसों के भाव स्थिर रहे। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहनः चना 5750-5850, दाल चना 6750-6850, मसूर काली 7550-7650, मूंग

दाल 9550-9650, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाजः (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3450-3550 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4400-4500, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 15385 रुपये, मूंगफली तेल 19047 रुपये, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये, सोया रिफाइंड 14835 रुपये, पाम ऑयल 13187 रुपये और वनस्पति तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

भारत ने समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार की पहली खेप निर्यात की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने महाराष्ट्र से अमेरिका के लिए भारतीय अनार की पहली वाणिज्यिक समुद्री खेप भेजी है। पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। पहले पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। अब उद्योग लागत प्रभावी और टिकाऊ समुद्री मार्ग माल ढुलाई के लिए अपना रहा है। मंत्रालय के

आधिकारिक बयान के अनुसार भारत ने पिछले महीने भारतीय अनार के 4,620 बक्सों की पहली समुद्री खेप, जिसका वजन लगभग 14 टन था, मार्च के दूसरे सप्ताह में अमेरिका के पूर्वी तट पर पहुंच गई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से यह अनार अमेरिका के न्यूयॉर्क को निर्यात की गई है। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा, भारत सरकार वैश्विक बाजार के लिए भारतीय ताजा फलों को बढ़ावा देने में अग्रणी रही है। एपीडा पहले ही अनापत्ति कार्यक्रम के लिए वित्त व?यवस?था करके अमेरिका में आम और अनार जैसे भारतीय फलों के निर्यात में सहायता कर रहा है। उन?होंने कहा कि ÷अनार की बेशकीमती भारतीय भगवा किस्म÷ की ऐतिहासिक वाणिज्यिक समुद्री खेप सफलतापूर्वक अमेरिका पहुंच गई है, जो देश के ताजे फलों के निर्यात के लिए मील का पत्थर है।

एचडीएफसी बैंक का तिमाही मुनाफा 6.9 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 17622.38 करोड़ रुपये के मुकाबले 6.9 प्रतिशत बढ़कर 18834.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसे वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 18834.88 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 17622.38 करोड़ रुपये से 6.9 प्रतिशत अधिक है। हालांकि इस अवधि में उसकी कुल आय में 3.3 प्रतिशत की कमी हुई और यह 124391.35 करोड़ रुपये से घटकर 120268.76 करोड़ रुपये पर आ गया। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 92819.42 करोड़ रुपये से कम होकर 90890.01 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी ने बताया कि उसे वित्त वर्ष 2024-25 में 70792.25 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 64062.04 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.5 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 407994.77 करोड़ रुपये से 15.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 470915.93 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान उसका कुल खर्च भी 306407.89 करोड़ रुपये से 360499.27 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए एक रुपये अंकित मूल्य के प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का अंतिम लाभांश घोषित करने की सिफारिश की है।

सीतारमण अमेरिका और पेरू की यात्रा पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 20 अप्रैल से अमेरिका और पेरू की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगी। अमेरिका की यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री 20 से 25 अप्रैल तक सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन का दौरा करेंगी। सैन फ्रांसिस्को की अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री सैन फ्रांसिस्को के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव रखना' विषय पर मुख्य भाषण देंगी, जिसके बाद एक फायरसाइड चैट में भाग लेंगी।श्रीमती सीतारमण निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड प्रबंधन फर्मों के शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत भी करेंगी, इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को स्थित शीर्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों के सीईओ के साथ बैठकें भी करेंगी। श्रीमती सीतारमण सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों की विशेषता वाले एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी और वहां बसे भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगी। बाइस से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान, श्रीमती सीतारमण अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वसंत बैठक, द्वितीय जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) बैठक, विकास समिति प्लेनरी, आईएमएफसी प्लेनरी और वैश्विक संप्रभु ऋण गोलमेज (जीएसडीआर) बैठक में भाग लेंगी। इस दौरान, श्रीमती सीतारमण अर्जेंटीना, बहरीन, जर्मनी, फ्रांस, लक्जमबर्ग, सऊदी अरब, ब्रिटेन और अमेरिका सहित कई देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी; इसके अलावा यूरोपीय संघ के वित्तीय सेवाओं के आयुक्त; एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष; एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के अध्यक्ष; वित्तीय स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष अधिवक्ता (यूएनएसजीएसए); और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रथम उप प्रबंध निदेशक से मुलाकात करेंगी। छब्बीस से 30 अप्रैल तक पेरू की अपनी पहली यात्रा के दौरान वित्त मंत्री वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और व्यापार जगत के नेताओं के एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी, जो दोनों देशों के बीच मजबूत होते द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों पर प्रकाश डालेंगे। लीमा से अपनी यात्रा की शुरुआत करते हुए श्रीमती सीतारमण के पेरू की राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ट और पेरू के प्रधानमंत्री गुस्तावो एड्रियनजेन से मिलने की उम्मीद है।इसके अलावा वह पेरू के वित्त और अर्थव्यवस्था, रक्षा, ऊर्जा और खान मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी; और स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ बातचीत भी करेंगी। पेरू की अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री भारत-पेरू व्यापार मंच की बैठक की अध्यक्षता करेंगी, जिसमें भारत और पेरू दोनों देशों के प्रमुख व्यापार प्रतिनिधि शामिल होंगे। श्रीमती सीतारमण पेरू में वर्तमान में काम कर रहे भारतीय निवेशकों और व्यवसायों के साथ-साथ पेरू का दौरा करने वाले भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भी बातचीत करेंगी। महत्वपूर्ण खनिजों और कीमती धातुओं की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पेरू के महत्व को देखते हुए, इन बैठकों के दौरान खनन क्षेत्र में अधिक सहयोग के लिए रास्ते तलाशे जाने की भी उम्मीद है, विशेष रूप से भारत की संसाधन सुरक्षा को मजबूत करने और दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच मूल्य-श्रृंखला संबंधों को सुविधाजनक बनाने के लिए।

मुंबई एयरपोर्ट 9 मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा, दो रनवे की होगी मरम्मत

एजेंसी

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (सीएसएमआईए) 9 मई को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक छह घंटे के लिए बंद रहेगा। इस दौरान मानसून से पहले दो रनवे बंद करके रखरखाव के लिए मरम्मत कार्य किया जाएगा। एयरपोर्ट परिचालक मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने एक बयान में बताया कि मानसून की शुरुआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण यह फैसला लिया गया है। नियोजित शटडाउन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे के बीच होगा, जिस दौरान दो रनवे-09/27 और 14/32 से परिचालन नहीं होगा। एमआईएएल ने कहा कि यह कार्य हर साल मानसून शुरू होने से पहले हवाई अड्डे के रनवे को अच्छी स्थिति

में रखने के लिए किया जाता है। इससे जलभराव जैसी समस्याओं को रोकने में मदद मिलती है, ताकि बारिश के मौसम में उड़ानें सुरक्षित रूप से उतर सकें और उड़ान भर सकें। विशेषज्ञ टीमें रनवे की सतहों पर किसी तरह के नुकसान या टूट-फूट की जांच करेंगी और जरूरी मरम्मत करेंगी। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि सभी एयरलाइंस और एयरपोर्ट टीमों को पहले से सूचित करने के लिए छह महीने पहले नोटिस टू एयरमैन (नोटम) जारी किया गया था। इससे एयरलाइंस को अपने उड़ान शेड्यूल को समायोजित करने की अनुमति मिल गई है।

'बदलती वैश्विक स्थिति के बीच नीतिगत कार्रवाई में आरबीआई सक्रिय'

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के बाली में 24वें एफआईएमएमडीए-पीडीएआई के वार्षिक सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बोलते हुए कहा कि, पिछला साल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजारों के लिए चुनौतिपूर्ण भरा रहा, वहीं वर्तमान में भी व्यापार युद्ध के कारण अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। आरबीआई गवर्नर ने उच्च मुद्रास्फीति के खिलाफ उनकी लड़ाई को अंतिम चरण में पहुंचाने और अनिश्चितता के माहौल में नए रास्ते बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता भरे माहौल में भी भारतीय वित्तीय बाजार स्थिर रहे हैं और सभी खंड ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह सम्मेलन में भारतीय वित्तीय बाजार - बदलते परिवेश में मार्गदर्शन पर रहा जहां मौजूदा समय में वित्तीय बाजारों के प्रदर्शन पर चर्चा की गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनी प्रदर्शन किया है, जबकि वे अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक वातावरण की अनिश्चितताओं से अछूते नहीं हैं। जैसा कि हमने हाल ही में मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद अपने बयान में उल्लेख किया है, हमारे घरेलू विकास मुद्रास्फीति संतुलन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिसकी वजह से वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने का अनुमान है।

अमेरिकी टैरिफ से अरब देशों के गैर-तेल निर्यात को खतरा : संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

एजेंसी

बेरूत। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग पश्चिमी एशिया (ईएससीडब्ल्यूए) के अनुसार, अमेरिका में व्यापार संरक्षणवाद में आई तेज बढ़ोतरी अरब देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा रही है, जिससे 22 अरब डॉलर मूल्य के गैर-तेल निर्यात को खतरा पैदा हो गया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन सबसे कमजोर स्थिति में दिख रहा है, क्योंकि उसके लगभग एक चौथाई सामान अमेरिका को भेजे जाते हैं। बहरीन को भी चिन्हित किया गया है, क्योंकि वह अमेरिका को एल्यूमीनियम और रासायनिक पदार्थों का निर्यात बहुत ज्यादा करता है।

इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात को लगभग 10 अरब डॉलर के अमेरिकी सामानों के फिर से निर्यात में रुकावट आ सकती हैं। ईएससीडब्ल्यूए ने यह चेतावनी भी दी है कि खाड़ी सहयोग परिषद

(जीसीसी) की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक तेल कीमतों में तेज गिरावट के कारण बढ़ते वित्तीय तनाव का सामना कर रही हैं। ईएससीडब्ल्यूए ने आगे कहा, गैर-जीसीसी देशों के लिए भी वित्तीय चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। मिस्र, मोरक्को, जॉर्डन और ट्यूनीशिया को 2025 में वैश्विक बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और निवेशकों की अनिश्चितता के कारण संप्रभु ब्याज भुगतान में सामूहिक रूप से 114 मिलियन डॉलर अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है। इस कारण राष्ट्रीय बजट पर दबाव बढ़ेगा और विकास पहलों में देरी हो सकती है।

ईएससीडब्ल्यूए की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब इस महीने की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापक विरोध के बीच अपने व्यापारिक साझेदारों पर तथाकथित पारस्परिक टैरिफ लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया। ट्रंप ने पहले कहा था, जो देश अमेरिका के साथ जुलाई 9 तक कोई समझौता नहीं कर पाते, उनके उत्पादों पर घोषित पारस्परिक टैरिफ लागू कर दिए जाएंगे। भारत के लिए, इसका मतलब होगा कि टैक्स फिर से बढ़कर 26 प्रतिशत हो जाएगा, जो पहले 10 प्रतिशत कर दिया गया था। अन्य देशों के लिए भी दरें उसी तरह संशोधित की गई हैं, जिन्होंने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने की बजाय बातचीत का रास्ता चुना है, जैसे कि चीन।

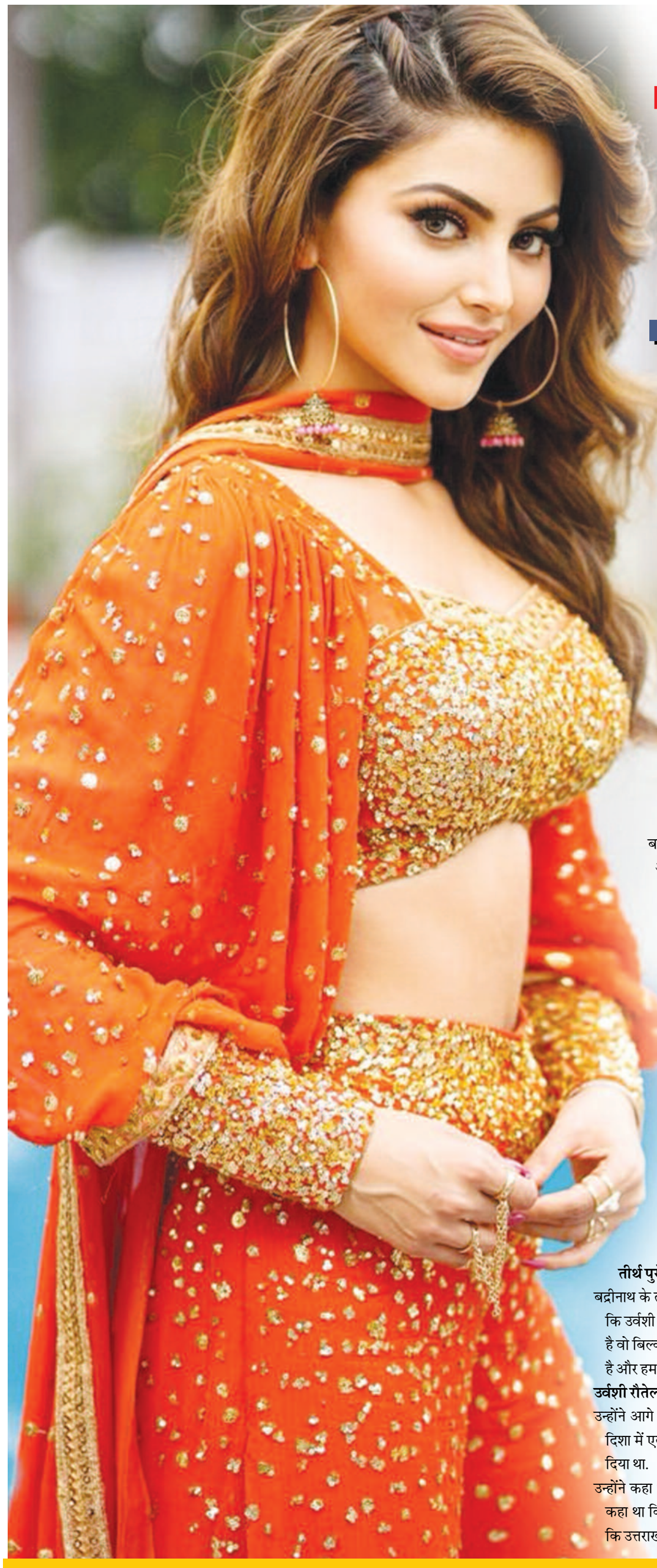

उर्वशी रौतेला

के खिलाफ कार्रवाई हो...' मंदिर वाले बयान पर बुरी फंसी एक्ट्रेस

फिल्म एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर ही अपने बयानों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. कई बार सोशल मीडिया पर उन्हें अपने बयानों की वजह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है. एक बार फिर से वो विवादों में घिर गई हैं. हाल ही में उन्होंने एक ऐसा बयान दिया, जिसको लेकर अब उनके खिलाफ कार्रवाईओ की मांग हो रही है. उनका कहना है कि उत्तराखंड में बद्रीनाथ में उनका मंदिर है.

उनके इस बयान ने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है. साधु संतों के साथ-साथ लोगों में भी उनके खिलाफ नाराजगी दिख रही है. बद्रीनाथ मंदिर के पूर्व धर्म अधिकारी भुवन उनियाल ने कहा, हम इसका घोर विरोध करते हैं. ये बात गलत है. समाज में इसका गलत संदेश जाएगा. हमतो कहते हैं कि सरकार को ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए. जब से सुना है कि उर्वशी रौतेला बद्रीनाथ की भगवती उर्वशी की मंदिर को अपना बता रही हैं, तब से हम बहुत दुख में हैं. हम बहुत पीड़ा में हैं. इस बात का हम भारी विरोध करते हैं.

तीर्थ पुरोहित ने जताई नाराजगी

बद्रीनाथ के तीर्थ पुरोहित डॉक्टर ब्रजेश सती ने भी नाराजगी जाहिर की है और उनका भी कहना है कि उर्वशी रौतेला के खिलाफ कार्रवाई हो. उन्होंने कहा, उर्वशी रौतेला द्वारा जो बयान दिया गया है वो बिल्कुल निंदनीय है. उत्तराखंड चारधाम तीर्थ महापंचायत उनके इस बयान की निंदा करता है और हम सरकार से मांग करते हैं कि उर्वशी रौतेला के खिलाफ कार्रवाई की जाए.

उर्वशी रौतेला का दावा

उन्होंने आगे ये भी कहा, हम बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर से भी मांग करते हैं कि उनको इस दिशा में एक्शन लेना चाहिए. उर्वशी ने हाल ही में सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत करते हुए ये बयान दिया था.

उन्होंने कहा था कि बद्रीनाथ के पास जो उर्वशी मंदिर है वो उनके लिए समर्पित है. उन्होंने ये भी कहा था कि वो चाहती हैं कि साउथ में भी उनके नाम का मंदिर बने. हालांकि, आपको बता दें कि उत्तराखंड में जो मंदिर है वो उर्वशी रौतेला का नहीं बल्कि देवी उर्वशी का मंदिर है.

मई से रामायण पार्ट 2 की शूटिंग करेंगे रणबीर कपूर , 'अशोक वाटिका' सीन के लिए तैयार हैं साई पल्लवी

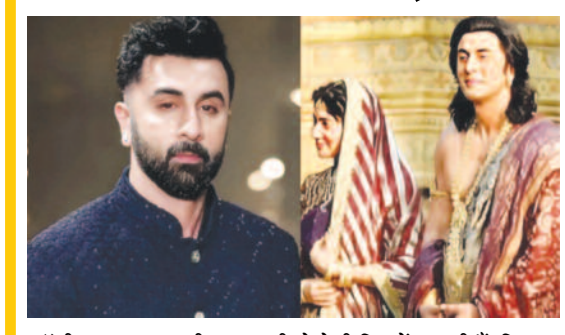

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की दो ऐसी फिल्में आ रही हैं, जिसका इंतजार काफी बेसब्री से किया जा रहा है. पहली है संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर, और दूसरी है नितेश तिवारी की मैग्नम ओपस फिल्म रामायण-पार्ट 1 और 2. ऐसा कहा जा रहा है कि रणबीर ने रामायण के पहले पार्ट की शूटिंग खत्म कर ली है और अब जल्द ही वो दूसरे पार्ट की शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं.बॉलीवुड के सावरिया रणबीर इन दिनों पत्नी आलिया के साथ संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं. इस फिल्म में रणबीर और आलिया के अलावा एक्टर विकी कौशल भी लीड रोल में हैं. फिल्म की काफी हाइप है और लोगों को इसका बेसब्री से इंतजार है. खबर है कि रणबीर 'लव एंड वॉर' खत्म करने के बाद रामायण के पार्ट 2 की शूटिंग मई में शुरू कर सकते हैं.

रणबीर का लुक टेस्ट

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की एक रिपोर्ट की मानें तो रणबीर के रामायण शूट के लिए डायरेक्टर नितेश तिवारी ने तैयारियां करनी शुरू कर दी हैं. रामायण में प्रभू श्री राम के किरदार के लिए रणबीर को जिस तरह का लुक चाहिए वो उन्हें पार्ट 2 के लिए फिर से अचीव करना पड़ेगा, क्योंकि लव एंड वॉर के लिए उनका लुक काफी अलग है. ऐसे में एक्टर का लुक टेस्ट किया जा रहा है. साथ ही फिल्म के सेकेंड पार्ट का टोन थोड़ा डार्क होगा ऐसे में इस फिल्म के लिए कॉस्ट्यूम्स भी अलग से डिजाइन की जाएंगी.

अशोक वाटिका के सींस

मां सीता का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस साई पल्लवी जल्द ही सेकेंड पार्ट के लिए अशोक वाटिका के सींस शूट कर सकती हैं. अशोक वाटिका का सीन रामायण की स्टोरी का काफी क्रूशियल और इम्पोर्टेंट पार्ट हैं. इस सीक्वेंस के साथ दो सॉन्ग्स भी शूट किए जाने हैं, जिसे साई जल्द ही शूट कर सकती हैं. कहा जा रहा है कि मॉनसून से पहले साई इस शेड्यूल को पूरा कर सकती हैं. और अगर सब सही रहा तो इस साल अक्टूबर तक फिल्म का शूट रैप हो सकता है.

कब रिलीज होगी फिल्म

बात करें रामायण की तो इस फिल्म में प्रभू श्री राम के रोल में रणबीर और मां सीता के किरदार में साई पल्लवी के अलावा, रावण के रोल में साउथ सुपरस्टार यश और हनुमान के किरदार में सनी देओल नजर आने वाले हैं.

जब अमिताभ-गोविंदा पर अकेले भारी पड़ गए थे शाहरुख खान, 10 करोड़ी फिल्म से की थी छप्परफाड़ कमाई

शाहरुख खान ने साल 2023 में एक-दो बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार बॉक्स ऑफिस लूटा था. पहले उन्होंने 'पठान' और फिर 'जवान' से सुर्खियां बटोरी थी. इसके बाद उसी साल 'डंकी' जैसी सुपरहिट फिल्म भी दी थी. शाहरुख की जवान उस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली बॉलीवुड फिल्म बनी थी. वैसे ये कारनामा शाहरुख पहले भी कर चुके हैं.शाहरुख खान की 27 साल पहले आई एक फिल्म भी उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पिक्चर साबित हुई थी. उनकी मूवी ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा जैसे दिग्गजों की फिल्म को भी पछाड़ दिया था. शाहरुख की पिक्चर का बजट सिर्फ 10 करोड़ रूपये था, लेकिन इसने टिकट विंडो पर 106 करोड़ रुपये का कलेक्शन करके कई रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए थे.

'कुछ कुछ होता है' थी 1998 की सबसे कमाऊ फिल्म

शाहरुख खान ने अपने 33 साल के करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों से फैंस को अपना दीवाना बनाया है. उनकी बेहतरीन फिल्मों की लिस्ट में 'कुछ कुछ होता है' को भी शामिल किया जाता है. इसमें शाहरुख ने काजोल और रानी मुखर्जी जैसी मशहूर अदाकाराओं के साथ मिलकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था.

'कुछ कुछ होता है' 16 अक्टूबर 1998 को दिवाली के खास मौके पर रिलीज हुई थी. इसके प्रोड्यूसर यश जौहर थे, जबकि इसे डायरेक्ट किया था उनके बेटे करण जौहर ने. शाहरुख ने राहुल खन्ना, काजोल ने अंजली शर्मा और रानी मुखर्जी ने टीना मल्होत्रा नाम का किरदार निभाया था. 10 करोड़ में बनी इस फिल्म में इस तिकड़ी ने ऐसा जादू चलाया कि इसने वर्ल्डवाइड 106 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था और ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई वाली हिंदी फिल्म रही.

'बड़े मियां छोटे मियां' को दी थी पटखनी

1998 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म 'दूल्हे राजा' थी जिसमें गोविंदा लीड रोल में थे. जबकि उस साल की तीसरी सबसे कमाऊ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' थी. ये फिल्म हिट साबित हुई थी लेकिन शाहरुख की 'कुछ कुछ होता है' से आगे नहीं निकल पाई. इसमें अमिताभ बच्चन और गोविंदा की जोड़ी ने फैंस का खूब मनोरंजन किया था. बड़े मियां छोटे मियां भी 10 करोड़ में ही बनी थी, लेकिन इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 35 करोड़ रुपये ही हो पाई थी.

5 भोजपुरी स्टार्स के बारे में क्या सोचती हैं

रानी चटर्जी

वन लाइन में एक्ट्रेस ने दिया जवाब

भोजपुरी सिनेमा आज के समय में किसी पहचान की मोहताज नहीं है. इस इंडस्ट्री के कुछ सितारे देशभर में पहचाने जाते हैं और उनके गाने भी लोग खूब चाव के साथ सुनते हैं. भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने लगभग हर भोजपुरी स्टार्स के साथ काम किया है और जब उनके 5 स्टार्स के बारे में वन लाइन के अंदर चीजें पूछी गईं तो उन्होंने कॉन्फिडेंस के साथ इसका जवाब दिया था.45 साल की एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने मनोज कुमार की ब्लॉकबस्टर फिल्म ससुरा बड़ा पैसावाला (2003) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद उन्होंने लगभग सभी भोजपुरी स्टार्स के साथ काम किया और उनके लिए एक्ट्रेस ने क्या कहा, आइए जानते हैं.

रानी चटर्जी ने भोजपुरी स्टार्स के लिए क्या कहा ?

का हाल बा पॉडकास्ट के एक एपिसोड में रानी चटर्जी पहुंची थीं जहां उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए. इस दौरान उनसे पूछा गया, 'भोजपुरी के 5 एक्टर जिनके नाम हैं उनके बारे में दो-दो बातें सभी के बारे में आपको बताना है. सबसे पहले निरहुआ जी' इसपर रानी चटर्जी ने कहा, 'वो एक सज्जन आदमी हैं, जो हर किसी को जोड़कर रखना जानते हैं.' दूसरा नाम मनोज तिवारी का लिया गया तो रानी ने कहा था, 'मनोज जी. वो बदमाश हैं.' तीसरा नाम रवि किशन इसपर रानी ने कहा, 'रवि जी तो इंटैलिजेंट और बेहतरीन एक्टर हैं.' चौथा नाम खेसारी लाल का लिया गया इसपर रानी ने कहा, 'खेसारी जी को थोड़ा संभलकर बोलना चाहिए जहां भी बोलते हैं. खेसारी तो बहुत बड़बड़ करते हैं. बोल देते हैं वो कुछ भी और फिर वही बात उनके ऊपर बैक फायर हो जाती है. ' पांचवा नाम पवन सिंह का लिया गया इसपर रानी चटर्जी ने कहा, 'पवन जी मूडी हैं, वो अच्छों से लिए बहुत अच्छे हैं और बुरे के लिए बहुत बुरे हैं.'

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार्स कौन-कौन हैं ?

भोजपुरी सिनेमा में मनोज तिवारी, दिनेश लाल यादव, खेसारी लाल यादव, पवन सिंह और रवि किशन जैसे एक्टर्स का नाम शामिल है जो सुपसस्टार्स हैं. वहीं रानी चटर्जी, आम्रपाली दुबे, अक्षरा सिंह और मोनालिसा के नाम पॉपुलर एक्ट्रेसेस की लिस्ट में आते हैं जो अच्छी-खासी फीस चार्ज करती हैं. भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में इन सभी के नाम काफी पॉपुलर हैं और इनकी फिल्मों के साथ इनके गाने भी हिट होते हैं. अगर बात रानी चटर्जी की करें तो उन्होंने फिल्म ससुरा बड़ा पैसावाला (2003) से करियर की शुरुआत की थी जो ब्लॉकबस्टर फिल्म थी. इसके बाद उन्होंने कई ऐसी फिल्में कीं जिनमें बिना किसी बड़े एक्टर के फिल्म सुपरहिट हुई.